राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार, 17 मई 2022 वर्ष-5,अंक-111 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नशे में धुत यात्री ने काटा हंगामा, बेंगलुरु से दोहा जा रही फ्लाइट की मुंबई में करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई। दोहा-बेंगलुरु की फ्लाइट की शनिवार देर रात मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। दरअसल, नशे में धुत एक यात्री ने इतना हंगामा किया कि अचानक से यह फैसला लेना पड़ा। पुलिस ने कहा कि केरल के रहने वाले यात्री सरफुद्दीन उलवर को गिरफ्तार किया गया है और भारतीय दंड संहिता और विमान अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ है। उसे रविवार को मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एयर होस्टेस के साथ किया दुर्व्यवहार

पुलिस ने कहा कि उलवर ने कथित तौर पर एक एयर होस्टेस के साथ दुर्व्यवहार किया जब उसने उसे शराब पीने से रोकने की कोशिश की। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने साथी यात्रियों के साथ भी दुर्व्यवहार किया। जिन लोगों ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की, उनके साथ झगड़ा हुआ।

पुलिस ने कहा कि उसके व्यवहार ने कारण उड़ान को मोड़ने और मुंबई में आपातकालीन लैंडिंग के लिए मजबूर होना पड़ा। मुंबई एयरपोर्ट पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों ने फ्लाइट के उतरते ही उलवर को हिरासत में ले लिया और उसे पुलिस को सौंप दिया।

आजाद भारत की होगी सबसे बड़ी तबाही

दिल्ली में अतिक्रमण हटाने को लेकर भाजपा पर बरसे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा शाषित नगर निगमों द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को बीजेपी पर जमकर निशाना साथा। केजरीवाल ने कहा कि अगर बुलडोजर से दिल्ली में 63 लाख लोगों की दुकानों और घरों को तोड़ दिया जाता है, जिन्हें अवैध माना जाता है, तो यह स्वतंत्र भारत में सबसे बड़ा विनाश होगा।

इस मामले पर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों के साथ बैठक में केजरीवाल ने उनसे कहा कि उन्हें दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में भाजपा शाषित नगर निगमों द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान का विरोध करने के लिए जेल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

केजरीवाल ने कहा कि नगर निगमों के अधिकारी बुलडोजर के साथ कॉलोनियों में पहुंच रहे हैं और किसी भी दुकान और घर को तोड़ रहे हैं। अगर लोग उन्हें यह साबित करने के लिए कागजात दिखाते हैं कि वह घर या दुकान अवैध नहीं है, तो वे उनकी जांच नहीं करते हैं।

उन्होंने एक ऑनलाइन ब्रीफिंग में कहा कि दिल्ली को प्लान्ड तरीके से नहीं बनाया गया है, इसलिए 80 प्रतिशत से अधिक दिल्ली को अवैध और अतिक्रमित कहा जा सकता है। क्या इसका मतलब यह है कि आप 80 प्रतिशत दिल्ली को नष्ट कर देंगे?

भाजपा जिस तरह से अतिक्रमण विरोधी अभियान चला रही है, हम उसके खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में लगभग 50 लाख लोग अनधिकृत कॉलोनियों में रहते हैं, 10 लाख %झुग्गियों% में रहते हैं और लाखों लोग हैं जिन्होंने बालकनियों में बदलाव किया है या कुछ ऐसा किया है जो मकान के मूल नक्शे के अनुरूप नहीं है।

उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है 63 लाख लोगों के घरों-दुकानों पर बुलडोजर चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो स्वतंत्र भारत में होने वाली यह सबसे बड़ी तबाही होगी।

केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी भी अतिक्रमण के खिलाफ है और चाहती है कि दिल्ली सुंदर दिखे, लेकिन हम 63 लाख लोगों के घरों और दुकानों को तोड़कर उन्हें बेघर किया जाना बर्दाशत नहीं करेंगे दिल्ली में जिस तरह से अतिक्रमण रोधी अभियान चलाए जा रहे हैं, हम उसके खिलाफ हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल में भाजपा एमसीडी में सत्ता में थी और पैसा लिया। अब उनका कार्यकाल 18 मई को खत्म हो रहा है। क्या आपके पास इतने बड़े फैसले लेने की संवैधानिक शक्ति है। चुनाव होने दें और उस पार्टी को फैसला लेने दें। सभी जानते हैं कि इस बार आप ही एमसीडी में सत्ता में आएगी। केजरीवाल ने कहा कि हम लोगों को आश्वासन देना चाहते हैं कि हम अतिक्रमण का समाधान निकालेंगेऔर अनधिकृत कॉलोनियों का नियमितीकरण करेंगे और इनमें रहने वाले लोगों को मालिकाना हक देंगे।

इस मामले पर आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों के साथ बैठक में केजरीवाल ने उनसे कहा कि उन्हें दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में भाजपा शाषित नगर निगमों द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान का विरोध करने के लिए जेल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि नगर निगमों के अधिकारी बुलडोजर के साथ कॉलोनियों में पहुंच रहे हैं और किसी भी दुकान और घर को तोड़ रहे हैं। अगर लोग उन्हें यह साबित करने के लिए कागजात दिखाते हैं कि वह घर या दुकान अवैध नहीं है, तो वे उनकी जांच नहीं करते हैं।

शरीयत कानून से जुड़ा है मामला

मुस्लिम विद्वान लेंगे अजान विवाद पर फैसला-कर्नाटक वक्फ बोर्ड

नई दिल्ली। कर्नाटक वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष एनके मोहम्मद शफी सादी ने कहा है कि मुस्लिम विद्वान उच्चतम न्यायालय के फैसले के परिप्रेक्ष्य में अजान पर उचित निर्णय लेंगे। सादी ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने हाल ही में सर्कुलर जारी करके मस्जिदों में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर शीर्ष न्यायालय के आदेश का पालन करने के लिए कहा है। इसके तहत केवल तड़के की अजान ही प्रभावित होगी। वक्फ बोर्ड ने फिलहाल इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है। सादी ने कहा कि निर्णय शरीयत कानून से संबंधित है। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में उलेमाओं (विद्वानों) के साथ आज और कल चर्चा करने के बाद उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ बोर्ड ने पिछले साल 17 मार्च को सभी मस्जिदों को शीर्ष न्यायालय के आदेश का पालन करने के लिए सर्कुलर जारी किया था, लेकिन हिंदू संतों के सामने यह कहते हुए चिंता जताई कि प्रतिबंध न केवल अजान , बल्कि मंदिरों में पूजा अनुष्ठान के लिए भी हानिकारक हैं।

मदरसों में राष्ट्रगान गाने का स्वागत करता है, लेकिन...

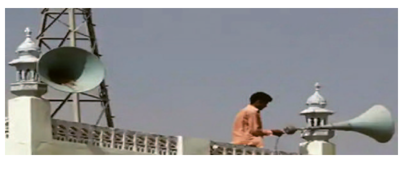

सादी ने कहा कि वक्फ बोर्ड मदरसों में राष्ट्रगान गाने का स्वागत करता है, लेकिन राष्ट्रवाद और देशभक्ति भीतर से आनी चाहिए न कि थोपी जाए। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड के तहत 1990 मदरसे हैं, जहां राष्ट्रगान गाया जाता है, लेकिन खेद है कि कुछ तत्व सांप्रदायिक नफरत को एक उद्देश्य से फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

'क्या हम इतने गिरे हुए हैं' कश्मीर फाइल्स में खून से सने चावल खिलाने वाले सीन पर बोले फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को फिर 'द कश्मीर फाइल्स' का मुद्दा उठाया। उन्होंने फिल्म पर प्रतिबंध लगाए जाने की बात कही है। साथ ही अब्दुल्ला ने लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा से मुलाकात की जानकारी दी है। इस दौरान दोनों के बीच राज्य की कानून और व्यवस्था पर चर्चा हुई। खास बात है कि बीते सप्ताह केंद्र शासित प्रदेश में हिंसा की कई खबरें सामने आई थी। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में उन्होंने नजरबंदी की खबरों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, हम सियासत नहीं करना चाहते थे, हम हमदर्दी करना चाहते थे। मगर हमदर्दी करने के लिए भी आप रोक रहे हैं। तो कैसे यह चलेगा, कैसे हम एक दूसरे के करीब आ सकते हैं। अगर हमें एक-दूसरे के करीब आना है तो यह नफरत खत्म करनी है।

क्या हम इतने गिरे हुए हैं

अब्दुल्ला ने मीटिंग को लेकर कहा, मैंने यह भी कहा कि ये जो कश्मीर फाइल्स आपने फिल्म बनवाई है। क्या यह सच है कि एक मुसलमान एक हिंदू को मारेगा और उसके बाद उसका खून जो है वो चावल में डालकर कहेगा उसकी बीवी से तुम यह खाओ, क्या हो सकता है, क्या हम इतने गिरे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म बेबुनियाद फिल्म, जिसने न सिर्फ नफरत मुल्क में पैदा की है, बल्कि यहां हमारे जवानों में भी नफरत हुई है कि हमारे तरफ कैसे सोच रहे हैं। जो मुसलमानों पर जुल्म हो रहा है इस वक्त हिंदुस्तान के कोनों में वो हमारे बच्चों के मन में भी एक लहर पैदा कर रहा है। ऐसी चीजों को बंद करना चाहिए।

सियासत नहीं करना चाहते थे, हम हमदर्दी करना चाहते थे। मगर हमदर्दी करने के लिए भी आप रोक रहे हैं। तो कैसे यह चलेगा, कैसे हम एक दूसरे के करीब आ सकते हैं। अगर हमें एक-दूसरे के करीब आना है तो यह नफरत खत्म करनी है।

गुरुवार को माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही तीर्थयात्रियों से भरी बस में कटरा में आग लग गई थी। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि, 22 घायल हो गए थे। वहीं, इससे पहले चडूरा में तहसील दफ्तर में काम करने वाले राहुल भट्ट की आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके अलावा पुलवामा में एक रियाज अहमद नाम के पुलिसकर्मी की भी हत्या कर दी गई थी। गुरुवार को माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही तीर्थयात्रियों से भरी बस में कटरा में आग लग गई थी। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि, 22 घायल हो गए थे। इससे पहले राहुल भट्ट की आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

राहुल गांधी बोले- दो हिंदुस्तान बनाना चाहती है मोदी सरकार, हम जोड़ते हैं वो बांटते हैं

बांसवाड़ा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बेणेश्वर धाम पर 132 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पूल का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने बांसवाड़ा में एक जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश में दो हिंदुस्तान बनाना चाहती है। एक उद्योगपतियों का और दूसरा गरीबों का, दलितों, पिछड़ों का। हम दो हिंदुस्तान नहीं चाहते हैं, हम एक हिंदुस्तान चाहते हैं। एक हिंदुस्तान में हर शख्स को अपना सपना पूरा करने का मौका मिलना चाहिए।

उदयपुर में कांग्रेस के नव संकल्प शिविर में भाग लेने के बाद राहुल गांधी ने राजस्थान के डूंगरपुर में बनेश्वर धाम में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि कांग्रेस और आदिवासियों का गहरा रिश्ता रहा है। आपका जो इतिहास है, उसकी हम रक्षा करते हैं। आपके इतिहास को हम दबाना-मिटाना नहीं चाहते हैं। जब यूपीए की सरकार थी तब आदिवासियों के लिए जमीन, जंगल, जल की रक्षा के लिए हम पेसा कानून लाए थे। जमीन अधिग्रहण बिल जैसे कानून से आपके धन की रक्षा की और इसका फायदा आदिवासियों का दिलाया।

कांग्रेस की विचारधारा सबकी रक्षा करने की

राहुल ने कहा कि देश में इस समय दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरह कांग्रेस की विचारधारा है, जो सबकी रक्षा करती है। दूसरी तरफ बीजेपी की विचारधारा है जो आदिवासियों को दबाने और मिटाने का काम करती है। हम जोड़ने का काम करते हैं वो बांटने का काम करते हैं। हम कमजोरों की मदद करते हैं, वो चुनिंदा उद्योगपतियों की मदद करते हैं। हिंदुस्तान में आज रोजगार नहीं है, महंगाई बढ़ती जा रही है। मुझे खुशी है राजस्थान सरकार गरीबों और आदिवासियों के लिए काम कर रही है।

क्या मोदी का दौरा चीन के घटते प्रभाव का संकेत? जानें पड़ोसियों से भारत के सुधरते रिश्तों की वजह

लुंबनी/नई दिल्ली। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दिवसीय दौरे पर पड़ोसी देश नेपाल के लुंबिनी पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री ने यहां लुंबनी में मायादेवी मंदिर में पूजा की, पवित्र पुष्कर्णी तालाब और अशोक स्तंभ की परिक्रमा की। भारत की मदद से बन रहे बुद्धिस्ट कल्चरल सेंटर के भूमि-पूजन में भी शामिल हुए। अपने इस दौरे पर वह नेपाली पीएम देउबा के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। पीएम का देउबा के साथ लंच का कार्यक्रम भी है। इस दौरान दोनों देशों के बीच सात अहम समझौते होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा कूटनीतिक लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। आइए समझते हैं क्यों?

पांचवी नेपाल यात्रा

2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी की यह पांचवी बार नेपाल यात्रा है। वहीं, नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा दो बार भारत आ चुके हैं। 2017 और हाल ही में 2022 में उन्होंने भारत की यात्रा की थी। इस दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने समकक्ष नेपाली प्रधानमंत्री देउबा के साथ जल विद्युत, विकास और कनेक्टिविटी जैसे मसलों पर चर्चा करेंगे। द्विपक्षीय बैठक के बाद दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के मसलों पर भी कुछ समझौते होंगे।

प्रधानमंत्री इस दौरान लुंबनी मठ में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर फॉर बौद्ध कल्चर एंड हेरिटेज की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी बुद्ध जयंती समारोह में भी शिरकत करेंगे। वह बौद्ध विद्वानों, बौद्ध भिक्षुओं के साथ ही नेपाल और भारत के लोगों को संबोधित भी करेंगे। नेपाल में प्रमुख रूप से दो राजनीतिक पार्टियों का दबदबा है। पहला कम्युनिस्ट पार्टी और दूसरा नेपाली कांग्रेस। अभी नेपाली कांग्रेस पार्टी की सरकार है। 13 जुलाई 2021 को ही शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री बने थे। इसके पहले 2018 से 2021 तक कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल के केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री थे। केपी शर्मा के कार्यकाल के दौरान भारत-नेपाल के रिश्तों में काफी खटास आई थी। विदेश मामलों के जानकार प्रो. प्रदीप सोमवंशी कहते हैं, शर्मा कम्युनिस्ट विचारधारा के थे और वह चीन के प्रभाव में थे। उन दिनों चीन की राजदूत का दखल सीधे प्रधानमंत्री से लेकर नेपाल के राष्ट्रपति कार्यालय तक था। इससे भारत और नेपाल के बीच कई विवाद शुरू हो गए थे।

ज्ञानवापी सर्वे में जिस जगह पर शिवलिंग मिला उसे तुरंत सील करें, वाराणसी कोर्ट ने दिया आदेश; वजू पर पाबंदी

वाराणसी। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे का काम आज तीसरे दिनपूरा हो गया। सर्वे पूरा होने के बाद हिंदू पक्ष ने दावा किया कि-बाबा मिल गए। कहा गया कि सर्वे में काला पत्थर% मिला जो शिवलिंग है। जितना सोचा था उससे ज्यादा साक्ष्य मिले हैं।

सर्वे के बाद हिंदू पक्ष ने शिवलिंग के संरक्षण के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जिस पर वाराणसी कोर्ट ने डीएम को आदेश दिया कि जिस स्थान पर शिवलिंग प्राप्त हुआ है, उसे तत्काल सील कर दें। किसी भी व्यक्ति को वहां जाने न दें। कोर्ट ने इसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और सीआरपीएफ को दी है।

कोर्ट ने शिवलिंग की जगह को सील करने के आदेश के साथ ही साथ ही अधिकारियों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी तय कर दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा- जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर और सीआरपीएफ कमांडेट को आदेशित किया जाता है कि जस स्थान को सील किया गया है, उस

स्थान को संरक्षित और सुरक्षित रखने की पूर्णत~ व्यक्तिगत जिम्मेदारी उपरोक्त समस्त अधिकारियों की व्यक्तिगत रूप से मानी जाएगी।%

मुस्लिम पक्ष ने हिंदू पक्ष का दावा नकारा

ज्ञानवापी सर्वे पूरा होते ही हिंदू पक्ष ने वहां शिवलिंग मिलने का दावा किया। हिंदू पक्षकार सोहनलाल आर्य ने कहा कि जितना सोचा था उससे अधिक साक्ष्य मिले हैं। हालांकि मुस्लिम पक्ष इस दावे को पूरी तरह से नकार रहा है। मुस्लिम पक्ष का दावा है कि ज्ञानवापी मस्जिद में ऐसा कुछ नहीं मिला है जिसका दावा हिंदु पक्ष कर रहा है। इस दावे और उसके खिलाफ प्रतिदावे के बीच कोर्ट कमिश्नर अजय कुमार मिश्र ने कोर्ट की गाइडलाइन का हवाला देते हुए शिवलिंग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। प्रशासन ने भी ऐसे दावे से पल्ला झाड़ते हुए लोगों से अपील की कि वे सिर्फ अधिकारिक बयान पर ही ध्यान दें। प्रशासन की ओर कहा गया कि यदि किसी भी पक्षकार ने अपनी निजी इच्छा से कोई बात बताई है तो यह उसका निजी विचार है।

वजू पर लगी पाबंदी

सर्वे पूरा होने के थोड़ी देर बाद ही शिवलिंग का मामला कोर्ट भी पहुंच गया। कोर्ट ने अपने हिंदू पक्ष के दावे के बाद अपने आदेश में शिवलिंग के आसपास जाने पर रोक लगा दी। वहां वजू पर भी पाबंदी लगाई गई है।

कल होगी सुनवाई

कोर्ट के आदेश के मुताबिक अब सिर्फ 20 लोग ही नमाज के लिए जा सकते हैं। कोर्ट के आदेश पर ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का सर्वे तीन दिन और कुल 10 घंटे चला। कोर्ट कमिश्नर अजय कुमार मिश्र कल सर्वे रिपोर्ट दाखिल करेंगे। इसके बाद अदालत तय करेगी कि ज्ञानवापी का सच क्या है

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है। - होरेस

संपादकीय

कांग्रेस: न नेता और न नीति

(लेखक-ईएमएस/डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

कांग्रेस का चिंतन-शिविर समाप्त हो गया लेकिन क्या वह उसकी चिंता समाप्त कर पाया? कांग्रेस की चिंता तो अब भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। कांग्रेस की चिंता वास्तव में भारत के लोकतंत्र की भी चिंता है, क्योंकि सशक्त विरोधी दल के बिना कोई भी लोकतंत्र जल्दी ही प्रवाह पतित हो सकता है। वैसा लोकतंत्र बिना ब्रेक की मोटर गाड़ी बन जाता है। किसी भी पार्टी को सशक्त होने के लिए नीति और नेता की जरुरत होती है। हम देखें कि इस उदयपुर शिविर में से किस नीति का उदय हुआ है। सोनिया गांधी ने कहा कि अब कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा चलाएगी। इस समय क्या भारत टूट रहा है? उसे जोड़ने की बजाय कांग्रेस को जोड़ना ज्यादा जरुरी है। कांग्रेस अंदर और बाहर दोनों तरफ से टूट रही है। स्वयं राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा है कि कांग्रेसी नेता हमेशा यही सोचते रहते हैं कि मुझे क्या मिला? (वैसे सोनिया, राहुल और प्रियंका को तो यह सोचने की जरूरत ही नहीं पड़ती है)। इसीलिए कांग्रेस हर प्रांत में अंदर से टूट रही है। मध्यप्रदेश में उसकी सरकार क्यों गिरी? राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्रियों की कुर्सियां क्यों डगमगाती रहती हैं? कांग्रेस के कई मुख्यमंत्री और मंत्री पार्टी छोड़कर विरोधी दलों में क्यों शामिल हो रहे हैं? इस वक्त कांग्रेस की सरकारें जिन प्रांतों में हैं, वे प्रांतीय नेताओं के दम पर टिकी हुई हैं। इसीलिए राहुल गांधी का यह कहना तर्कसंगत नहीं लगता कि भाजपा से सिर्फ अकेली कांग्रेस ही लड़ सकती है, वह एक मात्र अखिल भारतीय विरोधी पार्टी है और वह एक मात्र ऐसी पार्टी है, जिसके पास विचारधारा है। यहां कम्युनिस्ट पार्टी का जिक्र जरुरी नहीं है लेकिन क्या यह सत्य है कि देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की कोई विचारधारा नहीं है? राहुल का कहना है कि भाजपा सिर्फ सत्तालोभी और देशतोड़ू पार्टी है। क्या कांग्रेस सत्तालोभी नहीं है? भाजपा के पास तो सही या गलत, एक विचारधारा है लेकिन कांग्रेस के पास क्या है? न उसके पास गांधीवाद है, न समाजवाद है, न गरीबी हटाओ है और न ही 'भारत को महासंपन्न बनाओ' या 'महाशक्ति बनाओ' है। उसके पास सिर्फ सत्तारुढ़ दलों की लचर-पचर आलोचना है, जो लोगों के सिर पर से निकल जाती है। उसके नेताओं को इस समय देश की नहीं, खुद की चिंता है। इसी चिंता ने इस महान पार्टी को अब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बना दिया है। उसी की देखादेखी लगभग सभी प्रांतों में पारिवारिक पार्टियां खड़ी हो गई हैं। इस चिंतन शिविर में एक भी वक्ता की हिम्मत नहीं पड़ी कि वह इस पारिवारिक प्रपंच के विरुद्ध मुंह खोले। यह सुसंयोग है कि वर्तमान सत्तारुढ़ पार्टी अभी तक पारिवारिक प्रपंच में नहीं फंसी है, हालांकि वह भी लगभग उसी रास्ते पर चल पड़ी है। 50 साल से कम आयु के लोगों को प्रमुखता देने का इरादा तो ठीक है लेकिन उसमें से भी परिवारवाद की बू आ रही है। 'एक परिवार, एक टिकिट' की बात, उसमें भी 5 वर्ष की शर्त, क्या चोर दरवाजे से परिवारवाद को ही चलाना नहीं है? दूसरे शब्दों में इस चिंतन शिविर ने तो कांग्रेस के लिए न तो कोई नई नीति दी और न ही कोई नेता दिया।

वक्त के साथ कदमताल में पिछड़ती गई काँग्रेस

(लेखक - ऋतुपर्ण दवे)

इसमें कोई शक नहीं कि काँग्रेस अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। उसके बाद भी चिन्तन करना बताता है कि उम्मीदें बाँकी है। सच में चिंतन से ही सार निकलता है। लेकिन क्या काँग्रेस के उदयपुर चिन्तन शिविर में सिवाय शीर्ष नेताओं की मौजूदगी और उनके उनके बनाए स्क्रिप्ट के अलावा धरातल की विषय वस्तु पर भी विचार हुआ होगा? जवाब क्या है कहने की जरूरत नहीं, सबको पता है, नहीं। मुझे एकाएक शरद जोशी का चर्चित और पुराना व्यंग याद आ गया जिसमें उन्होंने काँग्रेस पर तगड़ा कटाक्ष किया था। 1977 में तब काँग्रेस की तीस साल की हुकूमत के मौके पर लिखा एक व्यंग 'तीस साल का इतिहास' जो उनकी पुस्तक 'जादू की सरकार' में संकलित है, बड़ा लोकप्रिय हुआ। उदयपुर में संगठन को लेकर किस तरह की चिन्ता की गई यह तो अन्दरखाने की बात है लेकिन देश के लिए जो संदेश निकला उसमें युवाओं का नष्ट होता भविष्य, बेरोजगारी, जबरदस्त मंहगाई, मुद्रा स्फीति और रूस-यूक्रेन युध्द के असर पर पूरा ध्यान केन्द्रित दिखाया गया। काँग्रेस कुछ राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के साथ 2024 की रणनीति में अभी से जुटी लग रही है जो ठीक भी है। लेकिन क्या 2 अक्टूबर गाँधी जयन्ती से भारत जोड़ो पदयात्रा कर पार्टी का जनता बीच जाने का ऐलान लोगों से पुराना रिश्ता दोबारा जोड़ पाएगा? काँग्रेस कितनी सफल होगी वक्त बताएगा। लेकिन जिस तरह से भाजपा अपनी सर्वोच्च लोकप्रियता के शिखर पर नित नए कीर्तिमान बनाती जा रही है वैसा कुछ काँग्रेस में कभी दिखा नहीं। हो सकता है तब लोगों की सोच और समझ अलग रही हो, न सोशल मीडिया का जमाना था और न न्यूज चैनलों की भरमार थी। चुनिंदा विकल्पों पर निर्भरता से लोगों की बातें भी एक दूसरे तक खुलकर नहीं पहुँच पाती थीं। आज परिस्थितियाँ एकदम अलग हैं। ऐसा नहीं है कि काँग्रेस ने देश के लिए किया कुछ नहीं। काँग्रेसी हुकूमत में देश ने कई कीर्तिमान और आर्थिक मोर्चों पर जबरदस्त सफलता पाई। उतार-चढ़ाव के बावजूद दुश्मनों ने भारत की ताकत का लोहा माना। कुछ लादे तो कुछ जबरन थोपे युध्दों ने भी बेहद मजबूत किया। तमाम उद्योग और कल-कारखाने स्थापित हुए। विश्व मंच पर भारत की अलग धमक व चमक दिखी। अर्थशास्त्री पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की नीतियों ने बुरे दौर में भी देश को संभाले रखा। लेकिन काँग्रेस ने हमेशा एक ही गलती की थी कि संगठन और लोगों के बीच जुड़े रहने की जहमत नहीं उठाई। इसे चाहे लगातार सत्ता में बने रहने की खुमारी कहें या सत्ता सुख भोग चुके नेताओं की अनदेखी तब इस बारे में चिन्तन नहीं किया गया कि क्यों कांग्रेस से लोग छिटकते जा रहे हैं? आम व नए मतदाताओं की रुचि क्यों घट रही है? स्पष्ट बहुमत तक न पहुँच पाने पर ईमानदार आत्ममंथन या चिन्तन क्यों नहीं हुए? सब कुछ जानते हुए भी इससे एकदम बेखबर काँग्रेस की, बजाए खुद को जनता के बीच मजबूत बनाए रखने के गठबन्धन जरिए सरकार में बने रहने की दिलचस्पी ज्यादा थी। नतीजा सामने है ऐसे ही पेंचों में फंसकर काँग्रेस दिनों दिन कमजोर होती चली गई। देश की बड़ी पार्टियों में शुमार होने के बावजूद लोग अब दूसरों को काँग्रेस के विकल्प के रूप में देखने और सोचने लगे हैं। यूँ तो 1967 में कांग्रेस के वर्चस्व को पहली चुनौती मिली और यह सिलसिला किसी न किसी रूप में लगातार चलता रहा। इंदिरा जी की हत्या के बाद उपजी सहानुभूति लहर में काँग्रेस ने एक बार फिर सारे कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए 415 लोकसभा सीटें जीतकर जो रिकॉर्ड बनाया वह इस तरह ध्वस्त होगा किसी ने नहीं सोचा होगा। 1951-52 में हुए पहले आम चुनाव से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के दौर तक काँग्रेस को कोई दूसरी पार्टी टक्कर नहीं दे सकी। बीच में 1977 में इंदिरा गाँधी की सरकार गिरी भी तो बहुत जल्द जोरदार वापसी कर ली। लेकिन न तब और न अब जनता के बीच घुसपैठ बनाने को लेकर पार्टी कभी गंभीर दिखी। हाँ, पिछले दो आम चुनावों में कांग्रेस का ऐसा बुरा हाल हुआ कि उसे मुख्य विपक्षी दल का दर्जा मिलना भी मुश्किल हो गया। इतना तो समझ आता है कि देश के मजबूत लोकतंत्र की हिमायती जनता भी चाहती है कि निरंकुश कोई भी दल न हो पाए। इसलिए समय-समय पर जबरदस्त प्रयोग करती है। केन्द्र में भले ही भाजपा को खासा बहुमत देकर बिठाया हो लेकिन राज्यों में अलग-अलग जनादेश देकर मजबूत लोकतंत्र बनाया है। गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, गोवा, मणिपुर में भाजपा की सरकारें हैं तो बिहार, नागालैण्ड, मेघालय, पुड्डुचेरी में भाजपा के सहयोग से क्रमशः जनता दल यूनाइटेड, नेशनल डेमोक्रेटिव प्रोग्रेसिव पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी, आल इण्डिया नमथु राजियाम काँग्रेस की सरकार काबिज हैं। जबकि केवल दो राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में काँग्रेस की सरकारें हैं तो महाराष्ट्र और झारखण्ड में क्रमशः शिवसेना और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा काँग्रेस के सहयोग से काबिज है। वहीं दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी, ओडीशा में बीजू जनता दल, केरल में सीपीएम, प.बंगाल में तृणमूल, आँध्रपदेश में वाईएसआर काँग्रेस, तेलंगाना में तेलंगाना राष्ट्र समिति, सिक्किम में सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा, मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रन्ट तो तमिलनाडु में डीएमके सत्तारूढ़ है। इसके राजनीतिक मायने चाहे जो भी निकाले जाए लेकिन यह हमारे परिपक्व और मजबूत लोकतंत्र की जबरदस्त खूबसूरती और मजबूती है जिससे दुनिया भर में सबसे बड़े लोकतंत्र की चर्चा होती है, उदाहरण दिए जाते हैं। हो सकता है काँग्रेस भी देर आयद, दुरुस्त आयद की तर्ज पर उदयपुर नव चिन्तन शिविर में मंथन से वो अमृत निकालना चाह रही हो जिससे एक बार फिर सब ठीक होने लगे। लेकिन सवाल वही कि जबरदस्त निकले जहर को पिएगा कौन? जो दिख रहा है उससे तो यही लगता है आराम तलब और फाइव स्टार कल्चर में ढल चुके अधिकतर काँग्रेसी सेवादल, युवक काँग्रेस, महिला काँग्रेस के उस दौर को फिर जिन्दा कर पाएंगे जहाँ बड़े-बड़े शिविर और बैठकें जमीन पर होती थीं। जबरदस्त अनुशासन और एक-दूसरे का सम्मान था। पद की गरिमा थी। पद प्रभाव से या जुगाड़ से नहीं कबाड़ा जाता था बल्कि क्षमतावानों, ऊर्जावानों को ढूढ़कर दिया जाता था। आज परिस्थियाँ ठीक उलट है। देश, राज्य, जिलों में पार्टी के शीर्ष लंबरदारों को भले ही न दिखे, लेकिन पब्लिक सब जानती है कि उनके नगर, शहर या वार्ड का कौन सा काँग्रेसी, पार्टी के प्रति कितना आस्थावान है? कौन विज्ञप्तिवीर है जो ऊँचे पदों पर बैठे आकाओं के चरणवंदन के सहारे और प्रायोजित या पेड न्यूज से खुद को महिमामंडित करा पार्टी में सुशोभित है। चिन्तन शिविर में इस पर भी कुछ मनन हुआ हो तो अच्छा है वरना ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, सुनील जाखड़ की उपेक्षाओं के उदाहरण सामने हैं। भले ही राष्ट्रीय स्तर पर काँग्रेस परिवारवाद के आरोपों से घिरी हो लेकिन सच को स्वीकारना होगा कि भाजपा में तय समय में देश से लेकर नगर तक पार्टी की कमान नए चेहरे को देकर जिस तरह लोगों को जोड़ा जा रहा है और कार्यकर्ताओं की फौज तैयार हो रही है वो गजब की सोशल इंजीनियरिंग है और बड़ा आकर्षण भी। जबकि काँग्रेस उन्हीं चेहरों से बाहर नहीं निकल पा रही है। स्व. शरद जोशी भी अपना लिखा पढ़ ठहाके लगा रहे होंगे ऽकभी देश आगे बढ़ा, कभी काँग्रेस आगे बढ़ी, कभी दोनें आगे बढ़ गए, कभी दोनों नहीं बढ़ पाए, फिर यूँ हुआ कि देश आगे बढ़ गया और काँग्रेस पीछे रह गई। यह काँग्रेस की महायात्रा है, खादी भण्डार से आरंभ हुई और सचिवालय में समाप्त हो गई।ऽ लोकतंत्र के लिए मतदाता की नकेल अहम है। काश, काँग्रेस समझती और इस भ्रम से बाहर आ पाती कि लोकतंत्र को कम से कम दो मजबूत पार्टियों की जरूरत है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं)

सहिष्णुता में ही लोकतंत्र की खूबसूरती

राजनीतिक कटुता/ अनिल गुप्ता 'तरावड़ी'

यूं तो सत्ता के दंभ में विपक्षी आवाजों को दबाने का सिलसिला पूरी दुनिया में रहा है, लेकिन फिलहाल भारत में यह प्रवृत्ति घातक स्तर तक बढ़ी है। देश के कई राज्यों में प्रतिकार करने वाली आवाजों का दबाने का क्रम तेज हुआ है, जिसके लिये लोकतंत्र की रक्षा के लिये बने कानूनों का दुरुपयोग हुआ है। हमेशा से ऐसा नहीं था, कई प्रेरक व सुखद प्रसंग राजनेताओं के उदार व्यवहार के सामने आते हैं। वर्ष 1996 में स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के तेरह दिन बाद सरकार बनाने से पीछे हटने की घोषणा की थी। तब उन्होंने कहा था कि सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगड़ेंगी, यह देश रहना चाहिए... इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए। हाल के दिनों में राजनीतिक दुराग्रह में सचेतक व मुखर आवाजों के दमन के शर्मसार करने वाले प्रसंग सामने आये हैं। हालांकि, कोई भी राजनीतिक दल ऐसे आरोपों से परे नहीं है, लेकिन कुछ दलों ने मर्यादा व सहिष्णुता की सभी सीमाएं लांघ दी हैं। विपक्षी दलों व सचेतक आवाजों के दमन का बड़ा उदाहरण 1975 में सामने आया था जब तमाम लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन करके देश में आपातकाल लागू किया गया था। तमाम विपक्षी नेता जेल में डाल दिये गये थे। इस हमाम में सभी राजनीतिक दल एक जैसे हाल में नजर आते हैं। हाल ही में गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवाणी को विवादित टिप्पणी के मामले में जमानत देते समय बारपेटा, असम के सत्र न्यायाधीश ने कहा कि इतनी मुश्किलों से अर्जित लोकतंत्र को पुलिस राज में बदलने की बात सोची भी नहीं जा सकती। पंजाब में आप सरकार द्वारा सत्ता ग्रहण करने के बाद पुलिस के जरिये कुमार विश्वास, अलका लांबा, तजिन्द्र बग्गा के खिलाफ कार्रवाई कदापि न्यायोचित नहीं है। हाल ही में महाराष्ट्र सरकार द्वारा राजनीतिक दुराग्रह से सांसद नवनीत राणा एवं उनके विधायक पति पर राजद्रोह के साथ-साथ अन्य धाराएं भी लगा दी गयीं जो लोकतांत्रिक परम्पराओं के खिलाफ है। दरअसल, सत्ता ने नेताओं को असहिष्णु बना दिया है। वहीं वर्ष 2001 में जयललिता के इशारे पर पुलिस द्रमुक के कद्दावर नेता करुणानिधि को रात के 2 बजे उठाकर ले गई और अमानवीय व्यवहार किया गया। आजादी के बाद के कुछ दशकों में पक्ष व विपक्ष के संबंध सहिष्णुता व सद् व्यवहार के रहे। तब विपक्ष की स्वस्थ आलोचना का सम्मान किया जाता था। राष्ट्र के हित सर्वोपरि थे। वर्ष 1957 में जब अटल बिहारी वाजपेयी लोकसभा पहुंचे तो उस समय जनसंघ के कुल तीन सदस्य थे। तब पं. जवाहर लाल नेहरू पहले प्रधानमंत्री थे। अटल बिहारी वाजपेयी अपनी वाकपटुता व विदेश नीति के ज्ञान के चलते सरकार की कटु आलोचना करते थे। जवाहर लाल नेहरू इस 32 वर्ष के युवा सांसद से इतने प्रभवित थे कि उन्होंने लोकसभा में यह कह दिया था कि एक दिन यह युवा सांसद देश का प्रधानमंत्री बनेगा। सबसे छोटी पार्टी जो अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही थी, उसका सत्ता में आना व उसका नेता प्रधानमंत्री होना किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था। एक बार वाजपेयी ने नेहरू को कहा था कि आपका व्यक्तित्व दोहरा है। कभी आप चर्चिल बन जाते हो तो कभी चैम्बरलिन। किसी कार्यक्रम में जवाहर लाल ने वाजपेयी से कहा कि आज आपने मेरी सशक्त आलोचना की है। आज के समय ऐसी आलोचना दुश्मनी को आमंत्रण देने जैसी है। वहीं वर्ष 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद संघ पर प्रतिबंध लगाने वाले जवाहरलाल नेहरू ने 1962 के भारत-चीन युद्ध में आरएसएस द्वारा सैनिकों को राहत सामग्री, हथियार व अन्य सामान आदि पहुंचाने की बात का मान रखते हुए 26 जनवरी, 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में 3 हजार स्वयंसेवकों को पूर्ण गणवेश में शामिल होने का मौका दिया। वर्ष 1965 में जब पाकिस्तान ने भारत पर आक्रमण किया तो प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस सभा में संघ को राष्ट्रीय संगठन मानते हुए इसके प्रमुख माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर को हेलिकॉप्टर भेजकर आरएसएस मुख्यालय नागपुर से बुलाया गया। 1971 की लड़ाई में जब राजनीतिक दल इंदिरा गांधी का विरोध कर रहे थे तो जनसंघ ने कहा था कि प्रत्येक भारतीय का दायित्व बनता है कि संकट की घड़ी में सभी प्रधानमंत्री का साथ दें। 1971 की लड़ाई जीतने के बाद लोकसभा में वाजपेयी ने इंदिरा को दुर्गा कहा था। वर्ष 1977 में वाजपेयी विदेश मंत्री बने तो वह जब पहली बार अपने साऊथ ब्लॉक ऑफिस गए तो उन्होंने देखा कि गलियारे में लगी जवाहर लाल नेहरू की फोटो गायब थी। वाजपेयी ने तुरंत अधिकारियों को बुलाया और निर्देश दिया कि जवाहर लाल नेहरू की फोटो वहीं पर लगाई जाए। वाजपेयी ने 1991 में एक पत्रकार वार्ता में कहा कि आज जो मेरी जिंदगी है, उसका श्रेय राजीव गांधी को जाता है। उन्होंने बताया कि जब राजीव गांधी को पता चला कि मुझे किडनी की समस्या है व इसका इलाज भारत में नहीं है तो उन्होंने मुझे बुलाकर कहा- 'न्यूयार्क एक प्रतिनिधिमंडल जा रहा है, आप उसका हिस्सा बनिये व आपका इलाज अमेरिका में अच्छा हो सकता है। सरकार आपके इलाज की पूरी व्यवस्था करेगी।' वाजपेयी स्वस्थ होकर अमेरिका से वापस आए। दिसंबर, 1995 में परमाणु विस्फोट की तैयारी कर ली गई थी लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री अमेरिकी दबाव में पीछे हट गए थे। 16 मई, 1996 को वाजपेयी ने जब शपथ ली थी तो पीवी नरसिम्हा राव, एपीजे अब्दुल कमाल एवं पी चिदम्बरम को लेकर वाजपेयी को मिले थे। पीवी नरसिम्हा राव ने कहा था कि सामग्री तैयार है आप आगे बढ़ सकते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में दूसरी बार शपथ लेकर वाजपेयी सरकार ने 11 मई, 1998 को पोखरण में विस्फोट किया और भारत एक परमाणु शक्ति बन गया। वर्ष 1996 में जब पाकिस्तान ने यूएन में कश्मीर के मुद्दे को उठाया तो भारत का पक्ष रखने के लिए एक सशक्त नेता चाहिए था। तो पीवी नरसिम्हा राव ने राष्ट्रीय हित में वाजपेयी को भेजा। वाजपेयी ने यूएन में भारत को संकट की घड़ी से निकाला। पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर रहीं बेनजीर भुट्टो ने कहा था कि भारत का लोकतंत्र एक अनूठा लोकतंत्र है, जहां पर एक विपक्ष का नेता सभी मतभेदों को भुलाकर सरकार का पक्ष रखने के लिए दिलो-जान से खड़ा है।

आज के कार्टुन

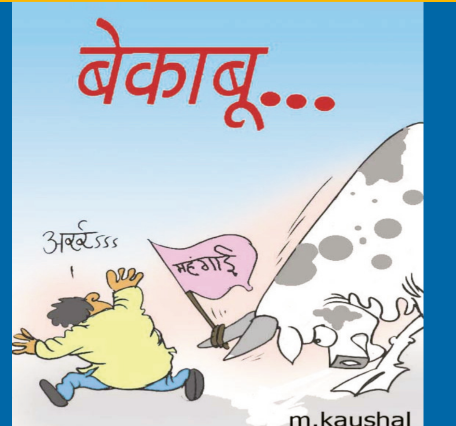

श्रम और स्वास्थ्य

आचार्य रजनीश ओशो/ शारीरिक श्रम एक लज्जापूर्ण कृत्य हो गया है, वह एक शर्म की बात हो गई है। पश्चिम के एक विचारक आल्वेयर कामू ने अपने एक पत्र में मजाक में लिखा है कि एक जमाना ऐसा भी आएगा कि लोग अपना प्रेम भी नौकर के द्वारा करवा लेंगे। अगर किसी को किसी से प्रेम हो जाएगा, तो एक नौकर लगा देगा बीच में कि तू मेरी तरफ से प्रेम कर आ। यह संभावना किसी दिन घट सकती है। क्योंकि और सब तो हम दूसरों से करवाना शुरू कर दिए हैं, सिर्फ प्रेम भर एक बात रह गई है, जो हम खुद ही करते हैं। प्रार्थना हम दूसरे से करवाते हैं। एक पुरोहित को रखवा लेते हैं। कहते हैं, हमारी तरफ से प्रार्थना कर दो, हमारी तरफ से यज्ञ कर दो। मंदिर में एक पुजारी पाल लेते हैं, उससे कहते हैं कि तुम हमारी तरफ से पूजा कर देना। प्रार्थना और पूजा भी हम नौकरों से करवा लेते हैं! तो कोई आश्चर्य नहीं है कि जब परमात्मा से प्रेम का कृत्य हम नौकरों से करवा लेते हैं, तो कोई बहुत कठिन नहीं है कि किसी दिन समझदार आदमी अपना प्रेम भी नौकरों से करवा लें। इसमें कौन सी कठिनाई है? और जो नहीं नौकरों से करवा सकेंगे, वे लज्जित होंगे कि हम गरीब आदमी हैं, हमको खुद ही अपना प्रेम करना पड़ता है। ठीक भी है, यह संभव हो सकता है। क्योंकि जीवन में और बहुत कुछ महत्त्वपूर्ण है, जो हमने नौकरों से करवाना शुरू कर दिया है! और हमें इस बात का पता ही नहीं है कि उसको खोकर हमने क्या खो दिया है। सारे जीवन की जो भी शक्ति है, वह सब खो गई है। क्योंकि मनुष्य का शरीर, मनुष्य के प्राण किसी विशिष्ट श्रम के लिए निर्मित हैं और उस सारे श्रम से उसे खाली छोड़ दिया गया है। सम्यक श्रम भी मनुष्य की चेतना और ऊर्जा को जगाने के लिए अनिवार्य हिस्सा है। अब्राहम लिंकन एक दिन सुबह-सुबह अपने घर बैठा अपने जूतों पर पॉलिश करता था। उसका एक मित्र आया और उसने कहा- लिंकन, यह क्या करते हो? तुम खुद ही अपने जूतों पर पॉलिश करते हो? लिंकन ने कहा: तुम क्या दूसरों के जूतों पर पॉलिश करते हो? मैं अपने ही जूतों पर पॉलिश कर रहा हूं। तुम क्या दूसरों के जूतों पर पॉलिश करते हो? उसने कहा कि नहीं-नहीं, मैं तो दूसरों से करवाता हूं। लिंकन ने कहा- दूसरों के जूतों पर पॉलिश करने से भी बुरी बात यह है कि तुम किसी आदमी से जूते पर पॉलिश करवाओ। इसका मतलब क्या है? इसका मतलब यह है कि जीवन से सीधे संबंध हम खो रहे हैं। जीवन के साथ हमारे सीधे संबंध श्रम के संबंध हैं।

सू-दोकू नवताल 2118

9					6			
	5	6				1	9	
8		3			7			
			8	5	2		6	4
2	6		9	3	1			
			2			9		1
	1	8				6	4	
			6					5

सू-दोकू 2117 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2118

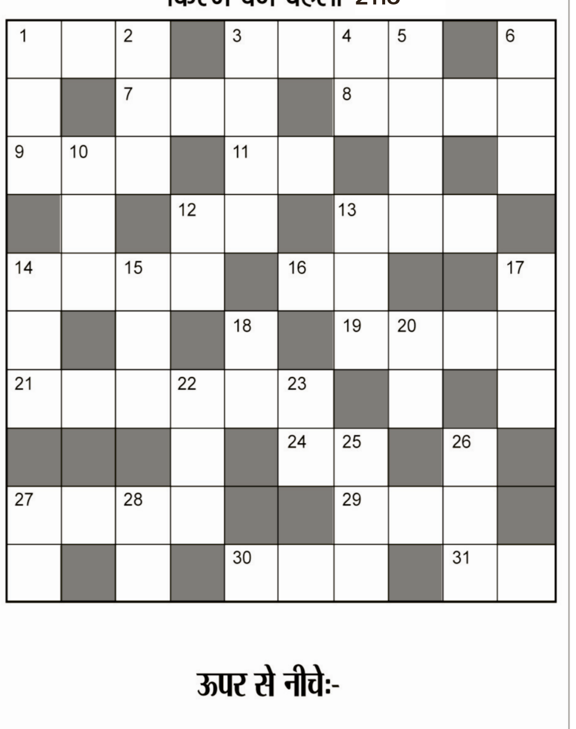

बायें से दायें:-

1. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-3
3. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-4
7. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-3
8. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-4
9. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-2,1
11. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-2
12. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-2
13. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-3
14. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-4
16. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-2
19. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-4
21. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-3,1,2
24. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-4
29. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-3
30. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-3
31. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-3
2. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-2,1
3. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-4
4. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-2
5. 1994 में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-4
6. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-3
10. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-3
12. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-2
13. राजकुमार, मीना की फिल्म-3
14. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-3
15. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
17. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-3
18. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-2
20. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-2
22. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-3
23. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-2
25. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-3
26. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-3
27. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-2
28. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2117

बं	ध	न		क्ष	त्रि	य		ज	ख्मी
दि		सी	मा		दे	श	प्रे	मी	
श	बा	ब		दे	व		म	न	
	बु		जो	श		बा	गी		खु
दौ	ल	त		द्रो	ही		त	ला	शी
ड़		ला		ही		पा		ट	
	रो	श	नी		आ	प	के	सा	थ
जं	ग		य	की	न			ब	
ग			त		बा	द	ल		जी
ल	की	र		डॉ	न		की	म	त

मिस्र भारत से 5 लाख टन गेहूं खरीदने पर सहमत

- हाल ही में की थी गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध की घोषणा

नई दिल्ली । मिस्र भारत से 5 लाख टन गेहूं खरीदने पर सहमत हो गया है। गौरतलब है कि मिस्र गेहूं के सबसे बड़े आयातकों में से एक है और अब काला सागर के रास्ते आने वाले अनाज के विकल्पों को तलाश रहा है क्योंकि ये मार्ग रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण बंद हो गया है। मंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने जनरल अथॉरिटी फोर सप्लाई कमोडिटीज को देशों व कंपनियों से सीधे अनाज खरीदने की अनुमति दे दी है। उन्होंने कहा कि मिस्र केवल भारत ही नहीं कजाकिस्तान, अर्जेंटीना और फ्रांस के साथ भी अनाज के आयात को लेकर वार्ता कर रहा है। मिश्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मैडबौली ने कहा था कि देश के पास अनाज का 4 महीने का रणनीतिक स्टॉक और खाद्य तेल का 6 महीने का स्टॉक बचा है। केंद्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने कहा है कि वैश्विक मांग बढ़ रही थी और विभिन्न देश प्रतिबंध लगा रहे थे। धारणाओं से कीमतें तय हो रही थीं। हमें पूरा विश्वास है कि अब धारणाएं भी कीमतों को नीचे लाने का काम करेंगी। इन दिनों कई क्षत्रों में वैश्विक कीमतों के साथ-साथ मुद्रास्फीति का भी आयात होता है। गेहूं के मामले में भी यही हो रहा था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गेहूं की कीमतें बढ़ रही हैं। दूसरे देशों का गेहूं 420-480 डॉलर प्रति टन के ऊंचे भाव पर बिक रहा था। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में भारत को बढ़ती घरेलू कीमतों पर नियंत्रण रखने और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए गेहूं के निर्यात पर बैन लगाना पड़ा। बकौल सचिव, इस फैसले से निश्चित तौर पर कीमतों में नरमी लाने में मदद मिलेगी।

घरेलू स्तर पर हो रहे आर्थिक विकास भी महंगाई के लिए जिम्मेदार- आर्थिक विशेषज्ञ

- वैश्विक परिस्थिति के साथ पिछले छह महीनों से मांग में होने वाली बढ़ोतरी भी महंगाई के लिए जिम्मेदार

नई दिल्ली । पिछले चार महीनों से खुदरा महंगाई दर छह फीसद से अधिक चल रही है और अप्रैल महीने में यह दर 7.8 फीसद के साथ पिछले आठ साल के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई। आर्थिक विशेषज्ञों के मुताबिक इस महंगाई के लिए वैश्विक परिस्थिति के साथ घरेलू स्तर पर हो रहे आर्थिक विकास को भी जिम्मेदार माना जा सकता है क्योंकि इससे खपत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। कंज्यूमर ड्यूरेबल की खरीदारी के लिए लोन में हो रही बढ़ोतरी, गोल्ड लोन में कमी, मनरेगा के तहत काम मांगने वालों की संख्या में कमी के साथ आयात में होने वाली लगातार बढ़ोतरी घरेलू स्तर पर मांग में मजबूती दर्शा रही है। पिछले महीने अप्रैल में आयात बिल से पेट्रोलियम पदार्थ और सोने-चांदी के आयात मूल्य को हटाने के बाद भी अन्य वस्तुओं के आयात में 29.68 फीसद की बढ़ोतरी दिख रही है जो घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग और मांग में मजबूती को दर्शाता है। अप्रैल माह में रिकार्ड जीएसटी कलेक्शन, निर्यात, बिजली की खपत, पेट्रोल-डीजल की खपत एवं हवाई यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी के साथ मैन्यूफैक्चरिंग व सर्विस इंडेक्स में मजबूती आर्थिक विकास को जाहिर कर रहा है। चौदहवें वित्त आयोग के सदस्य रह चुके अर्थशास्त्री सुदिप्तो मंडल कहते हैं कि अभी जो महंगाई है उसके लिए वैश्विक परिस्थिति के साथ पिछले छह महीनों से मांग में होने वाली बढ़ोतरी भी जिम्मेदार है। उन्होंने बताया कि मांग के मुताबिक सप्लाई नहीं बढ़ने से कीमतें बढ़ जाती है। अभी की महंगाई में आयातित महंगाई का भी हाथ है। वित्त मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले तीन महीनों से कंज्यूमर ड्यूरेबल वस्तुओं की खरीदारी को लेकर लिए जाने वाले लोन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस साल मार्च में इस लोन में पिछले साल मार्च के मुकाबले 60 फीसद की बढ़ोतरी रही। अप्रैल में भी यह रुख जारी है। दूसरी तरफ सोना गिरवी रखकर लिए जाने वाले लोन में कमी आई है। फरवरी में गोल्ड लोन की बढ़ोतरी दर 26.8 फीसद थी जो मार्च में घटकर 21 फीसद रह गई। हालांकि, कई आर्थिक विशेषज्ञ कोरोना काल में सरकार की तरफ से दिए जाने वाले आर्थिक पैकेज को भी इस महंगाई के लिए कुछ हद तक जिम्मेदार मानते हैं। जानकारों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में सरकार की तरफ से सीधे खाते में दी जाने वाली लाभ राशि में भी बढ़ोतरी रही और उससे भी खपत में इजाफा दिख रहा है।

देश के 74 प्रतिशत राज्यों में शीर्ष स्तर पर पहुंची महंगाई दर, कई प्रदेशों के हालात चिंतनीय

नई दिल्ली ।

महंगाई का तांड्व जारी है अप्रैल में देश का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 95 महीने के शीर्ष स्तर पर रहा। 12 मई को जारी आंकड़े के अनुसार, अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 7.79 फीसदी थी। यह आरबीआई द्वारा तय महंगाई के संतोषजनक दायरे (2-6 फीसदी) से लगातार चौथे महीने ऊपर रही है। हालांकि, कई राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश में यह देश की कुल महंगाई दर से भी तेजी से बढ़ी है। दादर व नागर हवेली में 9 महीनों से ये औसतन 8.3 फीसदी से ऊपर रही है। यह भारत में किसी भी क्षेत्र में सर्वाधिक खुदरा महंगाई दर है। सीपीआई डेटा के अनुसार, अप्रैल में खुदरा महंगाई दर कुल 26 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश में 6 फीसदी से ऊपर रही। यह भारत के 35 राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों का करीब 74 फीसदी है। अप्रैल में 9.12 की सर्वाधिक महंगाई दर फीसदी पश्चिम बंगाल में दर्ज की गई। इसके बाद मध्य प्रदेश में यह 9.10 फीसदी और तेलंगाना में 9 फीसदी से थोड़ा ऊपर रही। कुल 13 राज्य व केंद्र शासित प्रदेश ऐसे रहे जिनकी अपनी महंगाई दर भारत की सम्मिलित महंगाई दर से ऊपर निकल गई। केवल मणिपुर (2.29 फीसदी) और गोवा (4.01 फीसदी) ऐसे 2 क्षेत्र रहे जहां महंगाई दर आरबीआई के संतोषजनक दायरे में दर्ज की गई। महंगे ईंधन ने ऊर्जा संबंधी उत्पादों के साथ-साथ उन वस्तुओं के भी दाम बढ़ा दिए हैं जिन्हें ट्रांसपोर्ट के जरिए एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जाता है। अगर ट्रांसपोर्ट में अधिक खर्च होगा तो कई क्षेत्रों में वस्तुओं की आपूर्ति करने में चुनौतियां पैदा होंगी। पिछली 3 तिमाहियों में सीपीआई मुद्रास्फीति 5.1 फीसदी, 5 फीसदी और 6.3 फीसदी रही है। अगर लगातार 3 तिमाहियों में यह 6 फीसदी से ऊपर रहती है तो इसे केंद्रीय बैंक की नाकामी के रूप में देखा जाता है। महंगे ईंधन ने ऊर्जा संबंधी उत्पादों के साथ-साथ उन वस्तुओं के भी दाम बढ़ा दिए हैं जिन्हें ट्रांसपोर्ट किया जाता है। अगर ट्रांसपोर्ट में अधिक खर्च होगा तो कई क्षेत्रों में वस्तुओं की आपूर्ति करने में चुनौतियां पैदा होंगी।

विमान ईंधन हुआ महंगा, बढ़ेगा हवाई किराया

नई दिल्ली । विमान ईंधन की कीमतें सोमवार को 5.3 प्रतिशत बढ़ गई है। यह इस साल 10वीं वृद्धि है। वैश्विक ऊर्जा कीमतों में जोरदार तेजी के कारण विमान ईंधन की कीमत उच्चतम स्तर पर है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत 6,188.25 रुपए प्रति किलोलीटर या 5.29 प्रतिशत बढ़कर 1,23,039.71 रुपए प्रति किलोलीटर (123 रुपए प्रति लीटर) हो गई है। विमान ईंधन की कीमतों में इस साल यह 10वीं वृद्धि है। विमान ईंधन की कीमतों को हर महीने की पहली और 16 तारीख को संशोधित किया जाता है, जबकि पेट्रोल और डीजल की दरों को हर दिन संशोधित किया जाता है।

भारतीय मूल की अर्थशास्त्री डॉ. स्वाति ढींगरा बैंक ऑफ इंग्लैंड की मौद्रिक समिति की सदस्य नियुक्त

लंदन ।

भारतीय मूल की अर्थशास्त्री डॉ. स्वाति ढींगरा ने एक बार फिर ब्रिटेन में अपनी प्रतिभा का परचम फहराया है उन्हें बैंक ऑफ इंग्लैंड की मौद्रिक समिति में बाहरी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। वह इस पद पर नामित होने वाली भारतीय मूल की पहली महिला हैं। ढींगरा लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स (एलएसई) में अर्थशास्त्र की एसोसिएट प्रोफेसर हैं। उनकी अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और अनुप्रयुक्त सूक्ष्म-अर्थशास्त्र में विशेषज्ञता है। ढींगरा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई की और दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से परास्नातक किया। उन्होंने विस्कोंसिन-मेडिसन यूनिवर्सिटी से एमएस और पीएचडी पूरी की थी। वह नौ अगस्त को तीन साल के कार्यकाल के लिए ब्रिटिश केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) में शामिल होंगी। एमपीसी ब्रिटेन की मौद्रिक नीति के बारे में निर्णय लेती है। इसमें बैंक ऑफ इंग्लैंड के गवर्नर, इसके तीन डिप्टी गवर्नर, एक अन्य सदस्य के अलावा चार बाहरी सदस्य शामिल होते हैं। ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने बाहरी सदस्य के तौर पर ढींगरा की नियुक्ति की घोषणा की है। भारतीय मूल के सुनक ने एक बयान में कहा कि ढींगरा अपने साथ समिति में 'मूल्यवान नई विशेषज्ञता' लेकर आएंगी। ढींगरा एमपीसी में शामिल मौजूदा बाहरी सदस्य माइकल सॉन्डर्स की जगह लेंगी, जो अगस्त, 2016 से एमपीसी के सदस्य रहे हैं। ढींगरा ने अपनी नियुक्ति पर कहा, 'समिति का काम बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि महामारी और युद्ध की वैश्विक चुनौतियों के बीच ब्रिटेन को जीवनयापन की असाधारण लागत का सामना करना पड़ रहा है।'

सरकार बोली- देश में गेहूं का कोई संकट नहीं, निर्यात पर रोक लगाने का दूसरा कारण

-घरेलू बाजार पर दिखेगा असर

नई दिल्ली ।

देश में गेहूं निर्यात पर सरकार की पाबंदी को लेकर किसानों का नराजगी के बीच केंद्र ने सफाई दी है। निर्यात को बढ़ावा देने के नए-नए तरीके और नए देशों से संबंध स्थापित करने में जुटी मोदी सरकार ने जब अचानक गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया तो कई तरह के कयास लगाए जाने लगे। इस पर स्थिति स्पष्ट करते हुए वाणिज्य सचिव बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि देश में गेहूं का कोई संकट नहीं है। सचिव के अनुसार, गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किसी अन्य कारण से लिया गया है। इसका देश में खाद्यान्न या गेहूं के संकट से कोई लेना देना नहीं है। इस पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले से घरेलू स्तर पर बढ़ रही कीमतों पर रोक लगाने और भारत के पड़ोसियों एवं कमजोर देशों की खाद्य जरूरतें पूरी करने में मदद मिलेगी। अभी बाजार में गेहूं की खुदरा कीमत सरकार की ओर से तय एमएसपी से भी ज्यादा हो गई है।

सचिव ने कहा, सरकार ने तत्काल प्रभाव से गेहूं के निर्यात पर रोक लगा दी है। हालांकि, निर्यात की खेप के लिए इस अधिसूचना की तारीख को या उससे पहले जो लेटर ऑफ क्रेडिट जारी किए जा चुके हैं, उन्हें निर्यात की अनुमति रहेगी। एक बार कीमतों में सुधार आता है तो सरकार इस फैसले की समीक्षा भी करेगी। सुब्रमण्यम ने कहा कि गेहूं निर्यात पर पाबंदी का फैसला सही समय पर लिया गया है। उन्होंने खाद्य एवं कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, गेहूं या अन्य खाद्यान्न के उत्पादन में कोई नाटकीय गिरावट नहीं है। मुझे नहीं लगता कि कोई संकट है जिसकी कल्पना करनी चाहिए। सरकारी स्टॉक और निजी स्टॉक में पर्याप्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध है। यह प्रतिबंध सिर्फ कीमतों को नीचे लाने के लिए लगाया गया है।

सचिव ने कहा कि निर्यात पर रोक लगाने के पीछे कीमतों को थामने के अलावा जमाखोरी रोकना भी एक कारण है। रोक के नाम पर हम गेहूं व्यापार को एक निश्चित दिशा में ले जा रहे हैं। हम नहीं चाहते कि गेहूं की खरीद बिना नियंत्रण के हो और यह उन जगहों पर जाए जहां बस जमाखोरी हो रही या जहां इसका उपयोग उस उद्देश्य के लिए नहीं किया जाए जिसकी हम अपेक्षा कर रहे हैं। इस फैसले से देश के भीतर पर्याप्त खाद्य स्टॉक उपलब्धत कराने पर भी ध्यान दिया गया है। भोजन हर देश के लिए एक बेहद संवेदनशील मामला है, क्योंकि यह गरीब, मध्य और अमीर तीनों वर्गों को प्रभावित करता है। देश के कुछ हिस्सों में गेहूं के आटे की कीमतों में लगभग 40 फीसदी की तेजी आई है। सरकार पड़ोसियों और कमजोर देशों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हमने अपने जरूरतमंद पड़ोसी देशों के लिए रास्ता खोल रखा है।

सचिव ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में करीब 70 लाख टन गेहूं का निर्यात किया गया था जिसमें से लगभग 50 प्रतिशत बांग्लादेश को भेजा गया। चालू वित्त वर्ष में अब तक 23 लाख टन गेहूं निर्यात के लिए अनुबंध किए जा चुके हैं। इसमें से 12 लाख टन पहले ही अप्रैल और मई में निर्यात किया जा चुका है, जबकि बाकी 11 लाख टन गेहूं आने वाले समय में निर्यात किए जाने की संभावना है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

एनआईएनएल का अधि आखिरी तक पूरा होने की उम्मीद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बाजार में यह तेजी बैंकिंग, वित्तीय, ऊर्जा और वाहन क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में उछाल से आई है। इसी के साथ ही घरेलू शेयर बाजारों में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट भी रुक गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 180.22 अंक करीब 0.34 फीसदी ऊपर आकर 52,973.84 पर पहुंच गया। वहीं दिन के कारोबार के दौरान एक समय यह 634.66 अंक के उछाल के साथ ही 53,428.28 अंक तक पहुंच गया था। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 60.15 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ ही 15,842.30 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, मारुति, भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, टाइटन और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, आईटीसी और टीसीएस के शेयरों में गिरावट आई। पिछले सात सत्रों में पहली बार निफ्टी में तेजी आई है। इससे पहले गत छह सप्ताह में विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट रही थी।

वहीं एशिया के अन्य बाजारों में जापान के निक्की और हांगकांग के हैंगसेंग में तेजी आई जबकि दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और चीन के शंघाई कंपोजिट में गिरावट रही। दूसरी ओर यूरोपीय शेयर बाजार मिले-जुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी शेयर बाजारों में मजबूती रही।

पेटीएम नए बीमा लाइसेंस के लिए नया आवेदन करेगी

नई दिल्ली ।

डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने कहा कि वह नए सामान्य बीमा लाइसेंस की मंजूरी के लिए ताजा आवेदन करेगी। पेटीएम ने एक नियामक सूचना में सामान्य बीमा क्षेत्र में पैठ बनाने के अपने इरादे को दोहराया क्योंकि वह अपनी क्षमता को लेकर बेहद आशावादी है। पेटीएम ने कहा कि वह सामान्य बीमा के लिए अपने रोडमैप पर उत्साहित है। कंपनी ने कहा कि हम एक नए सामान्य बीमा लाइसेंस के लिए आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने का इरादा रखते हैं, जिसमें हमारे पास 74 प्रतिशत हिस्सेदारी हो।

हवाई यात्रा पर महंगाई की मार, पांच महीने में 62 फीसदी बढ़ चुके हैं एटीएफ के दाम

नई दिल्ली ।

कोविड महामारी ने सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया और अब इसके कमजोर पड़ने के बाद उसकी मार से उबर रहे विमानन क्षेत्र पर अब महंगाई का कोप दिखाई दे रहा है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने की वजह से एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी हवाई ईंधन के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सोमवार को हुई ताजी बढ़ोतरी के बाद अब हवाई सफर और महंगा हो जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने सोमवार को जेट फ्यूल की कीमतों में 5 फीसदी की बढ़ोतरी की है। अब हवाई ईंधन का मूलय 1.3 लाख रुपये प्रति किलोलीटर पहुंच गया है।

इसका सीधा असर हवाई सफर करने वाले यात्रियों पर पड़ेगा, क्योंकि विमानन कंपनियां अपनी लागत वसूलने के लिए जल्द ही हवाई किराये में और वृद्धि कर सकती हैं।

हवाई यात्रियों पर महंगे ईंधन का बोझ किस कदर बढ़ रहा है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सरकार ने साल 2022 में जनवरी से अब तक हवाई ईंधन की कीमतों में 50,938 रुपये की बढ़ोतरी की है। पिछले साढ़े चार महीने में ही हवाई ईंधन की कीमतों में 61.7 फीसदी की बढ़ोतरी की जा चुकी है। 2022 की शुरुआत में एटीएफ का मूल्य 72,062 रुपये प्रति किलोलीटर था, जो अब बढ़कर 1.23 लाख रुपये पहुंच गया है। हालांकि, पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अभी स्थिर रखा है और करीब 40 दिनों से इसमें कोई बदलाव नहीं किया है। आखिरी बार पेट्रोल-डीजल की कीमत 6 अप्रैल को बढ़ाई गई थी। इससे पहले मार्च में पेट्रोल की कीमत 6.40 रुपये और अप्रैल में 3.60 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गई थी।

देश में ईंधन की कुल जरूरत का करीब 80 फीसदी आयात किया जाता है। यही कारण है कि ग्लोबल मार्केट में कीमतें बढ़ने का भारत पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। तेल कंपनियां भी बाहर से महंगा ईंधन मंगाकर यहां खुदरा मूल्य में बेचती हैं, जिस पर सरकार भी भारी भरकम टैक्स वसूलती है और ईंधन की खुदरा कीमत के दाम काफी बढ़ जाते हैं। एटीएफ की कीमतों में हर 15 दिनों पर बदलाव किया जाता है। इससे पहले 1 मई को हवाई ईंधन के दाम बदले थे। पेट्रोल-डीजल की कीमतों को अभी स्थिर रखा है तो सीएनजी के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने 15 मई को दिल्ली एनसीआर में सीएनजी की कीमत 2 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ा दी है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी 73.61 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई तो नोएडा में यह 76.17 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिक रही है।

इसके अलावा गुरुग्राम में 81.94 रुपये प्रति किलो का मूल्य पहुंच गया है।

पंजाब में एमएसपी की घोषणा के बाद मूंग का रकबा हुआ दोगुना

- मौजूदा वर्ष में लगभग 97,250 एकड़ क्षेत्रफल में मूंग की दाल की कृषि हुई

चंडीगढ़ ।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा मूंग की दाल की फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने के ऐलान के बाद इस साल मूंग की दाल की कृषि के अधीन क्षेत्रफल लगभग दोगुना हो गया है। मौजूदा वर्ष में लगभग 97,250 एकड़ (38,900 हेक्टेयर) क्षेत्रफल में मूंग की दाल की कृषि हुई है, जबकि पिछले वर्ष 50,000 एकड़ क्षेत्रफल इस फसल के अधीन था। मूंग की दाल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,275 प्रति क्विंटल निर्धारित है और यह पहल गेहूं-धान की फसलों के दरमियान एक अन्य फसल है, जो किसान की आमदनी बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। राज्य के कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार मानसा जिला 25,000 एकड़ (10,000 हेक्टेयर) में मूंग की दाल की बुवाई कर राज्य भर में अग्रणी रहा है, जो राज्य में इस फसल के अधीन बीजे गए कुल क्षेत्रफल का 25 प्रतिशत है। इसके बाद मोगा में 12,750 एकड़ (5100 हेक्टेयर) और लुधियाना में 10,750 एकड़ (4300 हेक्टेयर) क्षेत्रफल इस फसल की कृषि अधीन है। बठिंडा और श्री मुक्तसर साहिब जिलों में मूंग की दाल के अधीन क्षेत्रफल क्रमवार 9500 एकड़ (3800 हेक्टेयर) और 8750 एकड़ (3500 हेक्टेयर) है। सरकार ने मूंग की दाल की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया है, लेकिन यह शर्त होगी कि किसानों को मूंग की दाल काटने के बाद उसी खेत में धान की 126 किस्म या बासमती की बिजाई करनी पड़ेगी, क्योंकि यह दोनों फसलें पकने के लिए बहुत कम समय लेती हैं और धान की अन्य किस्मों के मुकाबले इनको बहुत कम पानी की जरूरत होती है। कृषि विभाग के डायरेक्टर गुरविन्दर सिंह के मुताबिक दाल की फसल की जड़ों में नाइट्रोजन फिक्सिंग नोड्यूल होते हैं, जो जमीन में नाइट्रोजन फिक्स करके जमीन की उपजाऊ शक्ति बढ़ाते हैं। यदि मूंग की दाल की फसल की उपज कम भी की जाए तो भी नाइट्रोजन फिक्सिंग का लाभ अगली फसल को मिलता है।

एलआईसी आईपीओ आज होगा सूचीबद्ध, निवेशकों की धड़कने ग्रे-मार्केट की अटकलों के चलते तेज

नई दिल्ली ।

लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन का आईपीओ (एलआईसी आईपीओ) आज मंगलवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो जाएगा। इस बीच निवेशकों की धड़कने काफी तेज हो गई हैं, क्योंकि जिन्होंने इसके लिए अप्लाई किया था, उनमें से ज्यादातर लोगों को इसके शेयर मिले हैं। पिछले सप्ताह ग्रे-मार्केट में इसका प्रीमियम लगातार गिरता रहा, तो आशंका जताई जाने लगी कि ये शेयर डिस्काउंट पर लिस्ट न हो जाए। बाजार के जानकारों के आधार पर एलआईसी का शेयर ग्रे-मार्केट में 19 रुपये के डिस्काउंट पर ट्रेड हो रहा है। इसका मतलब है कि यह डिस्काउंट पर ही लिस्ट हो सकता है, मतलब अपने 949 रुपये प्रति शेयर के ऊपरी बैंड से 19 रुपये नीचे। अनलिस्टेड अरीना के फाउंडर अभय दोषी के हवाले से इस बिजनेस साइट ने लिखा कि इसकी आकर्षक वेल्यू के बावजूद वर्तमान में बाजार की कमजोर वित्तीय स्थितियों के चलते इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। यदि हम मौजूदा सेंटीमेंट्स देखें तो संभवत- यह डिस्काउंट पर लिस्ट हो सकता है। लेकिन यदि लिस्टिंग से पहले मार्केट स्टेबल हो जाती है और सेंटीमेंट्स सुधरते हैं तो इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए, जहां तक लिस्टिंग गेन का सवाल है, तो निवेशकों को इन्हें सीमित रखना चाहिए। लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन का आईपीओ 4 मई को आम निवेशकों के सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था और यह 9 मई को बंद हुआ। 12 मई को बोली लगाने वालों को शेयर आवंटित किए गए। बिडिंग के लिए 6 दिनों तक खुला एलआईसी का आईपीओ इश्यू साइज से तीन गुना अधिक सब्सक्राइब्ड हुआ था। सरकार ने अपने विनिवेश के लक्ष्य की तरफ चलते हुए 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची है। एलआईसी रिटेल निवेशकों और एलआईसी के कर्मचारियों को प्रति शेयर 45 रुपये की छूट दी गई। वहीं, पॉलिसी होल्डर्स को इसमें 60 रुपये प्रति शेयर की छूट दी गई थी। रिटेल निवेशकों और एलआईसी के कर्मचारियों को जहां प्रति शेयर 904 रुपये में मिला, वहीं पॉलिसी होल्डर्स को प्रति शेयर 889 रुपये पर अलॉट हुआ।

गेहूं के उत्पादन पर पड़ा गर्मी का असर, इस बार कम हुई पैदावार, पतला हुआ दाना

ग्वालियर ।

इस साल गर्मी की शुरुआत जल्दी होने की वजह से की गेहूं की उपज में 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। गर्मी की वजह से गेहूं का दाना पूरी तरह विकसित नहीं हो सका। जिसकी वजह से गेहूं का वजन कम हो गया है। गेहूं का उत्पादन घटने से बाजार में गेहूं की मांग बढ़ गई है। मंडियों में गेहू का रेट ज्यादा है, इस वजह से किसान गेहूं को समर्थन मूल्य पर बेचने की बजाय सीधे मंडी में व्यापारियों को बेच रहे हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि मौसम में बदलाव के साथ इसकी प्रक्रिया धीमी हो जाती है, लेकिन जब भी मौसम में अचानक कोई बदलाव आता है तो इसका असर खेत में खड़ी फसल पर पड़ता है। ठंड के बाद अचानक गर्मी पड़ने से फसल की नमी खत्म हो जाती है और फसल सूखने लगती है। जिसकी वजह से जो अनाज धीरे-धीरे तैयार होना था, अचानक गर्मी के कारण उनकी नमी कम हो जाती है और दाना सूख कर पतला हो जाता है और वजन भी कम हो जाता है। खाद्य नियंत्रक का कहना है कि इस बार समर्थन मूल्य पर खाद्यान्न नहीं मिलने से गोदाम भी खाली पड़े हैं। फसल में चमक कम होने के कारण एफसीआई गेहूं खरीदने को तैयार नहीं हैं। जिससे किसानों को परेशानी हो रही है। सरकार गेहूं की फसल समर्थन मूल्य पर 31 मई तक खरीदेगी। खाद्य विभाग ने गेहूं खरीद की तारीख बढ़ा दी है, लेकिन किसान समर्थन मूल्य पर गेहूं की फसल नहीं बेच रहे हैं। इसलिए सरकारी गोदाम खाली पड़े हैं। सहकारी समितियों के कांटे बंद हैं। यह पहला मौका है जब पिछले डेढ़ महीने में एक भी किसान सरकारी केंद्रों पर गेहूं, चना और सरसों बेचने नहीं पहुंचा। इसका कारण यह है कि बाजार में गेहूं, चना और सरसों की फसलों की कीमत समर्थन मूल्य से काफी अधिक है। इस बार व्यापारी किसानों को नकद भुगतान भी कर रहे हैं। गौरतलब है कि मार्च के अंत में चना और सरसों की खरीद समर्थन मूल्य पर शुरू की गई थी और 10 अप्रैल से जिले के 81 केंद्रों पर गेहूं की फसल की तुलाई शुरू की गई थी। समर्थन मूल्य पर गेहूं का भाव 2015 रुपये निर्धारित किया गया है। जबकि चना 5250 रुपये और सरसों 5050 रुपये निर्धारित किया गया है। बाजार में इन फसलों की कीमत काफी ज्यादा है।

हार का सिलसिला तोड़ने और उम्मीद जीवंत रखने मुंबई से भिड़ेगा हैदराबाद

मुंबई।(एजेंसी)।

सनराइजर्स हैदराबाद को यदि अगर-मगर की कठिन डगर पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने की धुंधली उम्मीदें जीवंत रखनी हैं तो उसे मंगलवार को यहां मुंबई इंडियन्स के खिलाफ होने वाले मैच में अपनी लगातार पांच हार का सिलसिला तोड़ना होगा। सनराइजर्स ने लगातार पांच जीतने के बाद लगातार पांच मैच गंवाये हैं। यदि वह अपने बाकी बचे दोनों मैच जीत जाता है तो उसके 14 अंक हो जाएंगे लेकिन प्लेऑफ में पहुंचने के लिये उसे अन्य टीम के मैचों में भी अनुकूल परिणाम की प्रार्थना करनी होगी।

लेकिन यदि वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले मैच में उसे हार का सामना करना पड़ता है तो वह निश्चित तौर पर बाहर हो जाएगा, क्योंकि सात टीम के 12 या इससे अधिक अंक हैं। हैदराबाद को बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। कप्तान केन विलियमसन इस सत्र में रन बनाने के लिये जूझते रहे हैं। उन्होंने 12 मैचों में केवल 208 रन बनाये हैं। उन्हें अपने असली रंग में लौटने की जरूरत है। मुख्य कोच टॉम मूडी ने खराब फॉर्म में चल रहे विलियमसन से पारी की शुरुआत करवाने के फैसले का बचाव किया था और न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी को अपने कोच को सही साबित करना होगा। उनके सलामी जोड़ीदार और पिछले मैच में 43 रन बनाने वाले अभिषेक शर्मा को अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलना होगा।

उन्हें हालांकि तेज गेंदबाजों के लिये अनुकूल पिच पर मुंबई के मजबूत आक्रमण से कड़ी चुनौती मिलेगी। सनराइजर्स के पास मध्यक्रम में राहुल त्रिपाठी, एडेन मार्कराम और निकोलस पूरण के रूप में अच्छे बल्लेबाज हैं लेकिन उन्हें अपने खेल में निरंतरता बनाये रखनी होगी। पिछले मैच में उसका मध्यक्रम भी नहीं चल पाया था जिसमें उसे कोलकाता नाइट राइडर्स ने 54 रन से हराया था। वाशिंगटन सुंदर और शशांक सिंह की 'फिनिशर' के रूप में भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी। सनराइजर्स की गेंदबाजी हालांकि मजबूत है जिसमें उमरान मलिक, भुवनेश्वर कुमार, मार्को यानसेन और यार्कर विशेषज्ञ टी नटराजन शामिल हैं।

मुंबई के बल्लेबाजों को विशेषकर मलिक से सतर्क रहने की जरूरत है जो अभी तक 18 विकेट ले चुके हैं। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुके मुंबई ने पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा होगा। मुंबई के लिये कप्तान रोहित शर्मा और सबसे अधिक कीमत पर खरीदे गये इशान किशन की फॉर्म चिंता का विषय है। सूर्यकुमार यादव की अनुपस्थिति में इन दोनों को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी और टीम को आक्रामक शुरुआत देनी होगी। तिलक वर्मा ने कम अनुभवी मध्यक्रम की जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभाली है। डेनियल सैम्स, टिम डेविड, ट्राइस्टन स्टब्स और रमनदीप सिंह जैसे बल्लेबाजों के लिये सनराइजर्स के गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज सैम्स शुरू में विकेट लेने में माहिर हैं। जसप्रीत बुमराह और रिले मेरेडिथ भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। स्पिनर कुमार कार्तिकेय सिंह बीच के ओवरों में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं।

ब्रिटिश ओपन इन्टरनेशनल पॉवरलिफ्टिंग में भारतीय पॉवरलिफ्टरों ने लगाई मैडल्स की झड़ी

लंदन (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय कोच द्रोणाचार्य भूपेन्द्र धवन के नेतृत्व में भारतीय पॉवरलिफ्टर्स ने इंगलिश काउंटी डर्बीशायर में 13 से 15 मई, 2022 तक आयोजित 8 देशों की ब्रिटिश ओपन इन्टरनेशनल पॉवरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर मैडल्स की झड़ी लगा दी। भारत के अलावा जिन अन्य देशों के खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया उनके नाम हैं इंग्लैंड, आयरलैंड, जर्मनी, इटली, स्कॉटलैंड, आस्ट्रिया तथा स्वीडन।

रितेश डोगरा ने 90 किलो ओपन वर्ग में 4 गोल्ड मैडल जीते, लेखराज ने 2 गोल्ड तथा एक सिल्वर मैडल जीता। मनप्रीत सिंह ने मास्टर्स वर्ग में एक-एक गोल्ड, सिल्वर तथा कांस्य पदक जीता। भारतीय पॉवरलिफ्टर्स के इस शानदार विजयी प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए धवन ने खिलाड़ियों को बधाई दी तथा अन्य भारतीय पॉवरलिफ्टर्स का मनोबल भी बढ़ाया जिनसे उन्हें उम्मीद है कि वे आगामी प्रतियोगिताओं में अपने प्रदर्शन में और सुधार लाएंगे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों के माता-पिता को भी बधाई दी। विजेता पॉवरलिफ्टर्स ने जीते हुए मैडल्स को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम को समर्पित करते हुए कहा कि इस तरह की योजनाएं भारत के नौजवानों को प्रेरणा देती हैं और उनमें उत्साह का संचार करते हैं। विजेताओं ने अपने कोच द्रोणाचार्य भूपेन्द्र धवन को उनकी निस्वार्थ सेवाओं तथा बेहद शानदार मार्गदर्शन तथा नैतिक मनोबल के लिए आभार व्यक्त किया।

दिलचस्प हुई प्लेऑफ की जंग, राजस्थान की जीत और लखनऊ की हार ने बदल दिया पूरा समीकरण

मुबई (एजेंसी)।

आईपीएल 2022 में लीग मैचों का रोमांच अपने चरम पर है। सबकी निगाहें इस बात पर है कि आईपीएल की टॉप 4 टीमें कौन सी होगी। अब तक के हिसाब से देखें तो 2 टीम में आईपीएल में सबसे मजबूत मानी जा रही थी। एक थी गुजरात टाइटंस और दूसरी लखनऊ सुपरजाइंट्स। गुजरात टाइटंस 20 अंकों के साथ टॉप पर बनी हुई है। लेकिन अभी भी दूसरे, तीसरे और चौथे पोजीशन के लिए लगभग 5 टीमों के बीच लड़ाई है। दरअसल, रविवार को राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच मुकाबला खेला गया था। इस मुकाबले को लखनऊ सुपरजाइंट्स हार गई। यह लगातार लखनऊ सुपरजाइंट्स की दूसरी हार थी। लखनऊ सुपरजाइंट्स 16 अंकों के साथ बनी हुई है। लेकिन राजस्थान ने लखनऊ को हराने के बाद पॉइंट टेबल में दूसरे स्थान पर कब्जा जमा लिया है। राजस्थान और लखनऊ के पास 16-16 अंक हैं लेकिन रन रेट के हिसाब से राजस्थान आगे हैं। अब सवाल यह है कि क्या प्लेऑफ की राह लखनऊ के लिए मुश्किल हो जाएगी? हालांकि यह बात भी सच है कि अगर लखनऊ अपना आखिरी मुकाबला भी हार जाती है तो भी वह प्लेऑफ में जगह बना लेगी। प्लेऑफ के लिए तीन टीमों के बीच जबरदस्त लगाई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर, दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स लगातार प्लेऑफ में जगह बनाने की कोशिश कर रही है। बेंगलोर के पास अभी 14 अंक है और एक मैच बचे हुए हैं। बेंगलोर अपना आखिरी मैच जीतती भी है तो उसके पास 16 अंक होंगे। लेकिन पॉइंट टेबल में रन रेट के हिसाब से वह लखनऊ से नीचे रहेगी। दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने होंगे।

महिला टी20 चैलेंज टूर्नामेंट में कप्तानी करेंगी हरमनप्रीत, स्मृति और दीप्ति

हर टीम में 16 खिलाड़ी शामिल , मिताली ओर झूलन को मिला आराम

मुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 23 मई से शुरु हो रहे महिला टी20 चैलेंज टूर्नामेंट के पांचवें सत्र के लिए तीन टीमों और उनके कप्तानों की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट आईपीएल के दौरान ही खेला जाएगा। इसमें हरमनप्रीत कौर को सुपरनोवाज टीम की कमान सौंपी गई है जबकि स्मृति मंधाना ट्रेलब्लेजर और दीप्ति शर्मा टीम वेलोसिटी की कप्तान बनायी गयी हैं। इन तीन टीमों के लिए खिलाड़ियों की घोषणा भी कर दी गयी है। इसमें हर टीम में 16 खिलाड़ियों को रखा गया है। यह महिला टी20 चैलेंज मुकाबला आईपीएल के अंतिम सप्ताह में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन 23 से 28 मई के बीच पुणे के महाराष?ट्र क्रिकेट स?टेडियम में किया जाएगा।

बीसीसीआई ने अनुभवी बल्लेबाज मिताली राज और तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को इस टूर्नामेंट में शामिल नहीं करते हुए आराम दिया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों के साथ ही इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया,

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की भी कुल 12 खिलाड़ी भाग लेंगी। महिला टी20 चैलेंज 2022 का शुरुआती मैच 23 मई को सुपरनोवाज और ट्रेलब्लेजर के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला शाम 7.30 बजे से शुरु होगा। इसके बा 24 मई को सुपरनोवाज की टक्कर वेलोसिटी से होगी। हालांकि, यह मैच दोपहर 3.30 बजे से खेला जाएगा। वहीं 26 मई को वेलोसिटी और ट्रेलब्लेजर के बीच तीसरा मैच खेला जाएगा। 28 मई यानी रविवार को फाइनल होगा।

महिला टी20 चैलेंज 2022 के लिए टीमें इस प्रकार हैं

सुपरनोवाज: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), तानिया भाटिया, एलाना किंग, आयुषी सोनी, चंदू वी, डिएंड्रा डॉटिन, हरलीन देओल, मेघना सिंह, मोनिका पटेल, मुस्कान मलिक, पूजा वस्त्राकर, प्रिया पुनिया, राशि कनौजिया, सोफी एक्लेस्टोन, सुन लुस, मानसी जोशी.

ट्रेलब्लेज़र: स्मृति मंधाना (कप्तान), पूनम यादव, अरुंधति रेड्डी, हैली मैथ्यूज, जेमिमाह रोड्रिग्स, प्रियंका प्रियदर्शिनी, राजेश्वरी गायकवाड़, रेणुका सिंह, ऋचा घोष, एस मेघना, सैका इशाक, सलमा खातून, शर्मिन अख्तर, सोफिया ब्राउन, सुजाता मलिक, एसबी पोखरकर.

वेलोसिटी: दीप्ति शर्मा (कप्तान), स्नेह राणा, शेफाली वर्मा, अयाबोंगा खाका, केपी नवगीर, कैथरीन क्रॉस, कीर्ति जेम्स, लौरा वोलवार्ड, माया सोनवणे, नत्थाकन चंतम, राधा यादव, आरती केदार, शिवाली शिंदे, सिमरन बहादुर, यास्तिका भाटिया, प्रणवी चंद्रा।

एमबापे तीसरी बार फ्रांसीसी लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के स्ट्राइकर काइलन एमबापे को उनके करियर में तीसरी बार फ्रांसीसी फुटबॉल लीग का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में एमबापे अपने भविष्य को लेकर पूछे गए सवालों को टाल गए। पीएसजी के साथ उनका अनुबंध अगले महीने समाप्त हो रहा है और माना जा रहा है कि इसके बाद वह रीयाल मैड्रिड से जुड़ेंगे। एमबापे ने फ्रांसीसी लीग में सर्वाधिक 25 गोल करके पीएसजी को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 36 गोल किए। इस 23 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी ने इससे पहले 2019 और 2021 में भी लीग का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया था।

दोहरा शतक नहीं लगा पाये मैथ्यूज

ढ़ाका । श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में दोहरा शतक नहीं लगा पाये और 199 रनों के स्कोर पर आउट हो गये। मैथ्यूज की इस पारी की सहायता से श्रीलंका ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 397 रन बना लिए थे। इससे पहले श्रीलंकाई कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम के शुरुआती 2 विकेट 66 रन तक गिर गए। इसके बाद कुशल मेंडल और मैथ्यूज ने तीसरे विकेट के लिए 92 रन बनाये। मेंडिस ने 54 रन बनाये। इसके बाद दिनेश चांदीमल के साथ मैथ्यूज की पांचवे विकेट के लिए 136 रन की साझेदारी हुई। चांदीमल 66 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। मैथ्यूज ने इसके बाद भी बल्लेबाजी जारी रखी। पारी के 153वें ओवर में वह ऑफ स्पिनर नईम हसन की गेंद पर शाकिब अल हसन के हाथों कैच हुए। नईम ने इस मैच में 105 रन देकर 6 विकेट लिए। वहीं शाकिब ने 3 विकेट लिए जबकि तैजुल इस्लाम को 1 विकेट मिला. श्रीलंका ने सुबह दूसरे दिन के खेल की शुरुआत 4 विकेट पर 258 रन से की थी।

केकेआर को लगा एक और झटका, कमिंस के बाद रहाणे आईपीएल से हुए बाहर, इंग्लैंड दौरे पर जाना भी संदिग्ध

मुंबई। (एजेंसी)।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को एक और बड़ा झटका लगा है। आपको बता दें कि सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र से बाहर हो गए हैं। अजिंक्य रहाणे को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई थी। जिसकी वजह से उन्होंने फील्डिंग नहीं की थी। ऐसे में अब खबर सामने आ रही है कि वो मौजूदा सत्र से बाहर हो चुके हैं। इससे पहले कोलकाता को ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज पैट कमिंस के रूप में बड़ा झटका लगा था। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, अजिंक्य रहाणे को हैमस्ट्रिंग की गंभीर चोट का सामना करना पड़ा है। जिसकी वजह से सोमवार को वो कोलकाता के बायोबबल से बाहर निकलेंगे। आपको बता दें कि अजिंक्य रहाणे के लिए मौजूदा सत्र कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने 7 मुकाबलों में 103 के स्ट्राइक रेट से 133 रन बनाए हैं। जिनमें उनका टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 44 रनों का रहा है। जिसकी वजह से उन्हें कई मुकबलों में ग्यारह सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। कोलकाता ने अभी तक 13 मुकाबले खेले हैं। जिनमें से टीम को महज 6 मुकाबलों में ही जीत का स्वाद चखने का मौका मिला है। जबकि 7 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। प्वाइंट टेबल में कोलकाता 12 प्वाइंट के साथ छठे स्थान पर है और ऐसे में एक-एक करके खिलाड़ियों का चोटिल होना कोलकाता के लिए बुरी खबर से कम नहीं है।

इंग्लैंड दौरे पर जाना मुश्किल

आईपीएल समाप्त होने के बाद भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी 20 सीरीज खेलेगी और फिर इंग्लैंड का दौरा करेगी। ऐसे में अजिंक्य रहाणे का टीम के साथ इंग्लैंड जाना मुश्किल है क्योंकि उन्हें ग्रेड-3 की हैमस्ट्रिंग का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजिंक्य रहाणे बैंगलोर में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में जाएंगे, जहां पर उन्हें चार सप्ताह के रिहैब की आवश्यकता हो सकती है। ऐसे में उनका इंग्लैंड दौरे पर जाना काफी मुश्किल लग रहा है।

पालघर जिले के पहले इंटरनेशनल-स्पेक बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन

मुम्बई । पालघर डिस्ट्रिक्ट बास्केटबॉल एसोसिएशन (पीबीडीए) ने पालघर जिले के पहले बास्केटबॉल कोर्ट का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया है जो फीबा (इंटरनेशनल बास्केटबॉल फेडरेशन) स्टैंडर्ड्स को पूरा करता है। कोर्ट थिया टेक्स हेल्थकेयर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक सीएसआर पहल है, और इसका उद्घाटन 14 मई को एक ग्रैंड फंक्शन में स्पेशल गेस्ट विधायक हितेंद्र ठाकुर की मैजदूगी में किया गया था। सम्मानित अतिथियों की लिस्ट में थिया टेक्स हेल्थकेयर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के निर्देशक अजीत सिंह के साथ वीवीसीएमसी के एक्स मेयरों में राजीव पाटिल, नारायण मानकर, प्रवीण शेट्टी, शामिल थें। इनके अलावा स्पेशल इंवाइटीज में वसई तालुका कला क्रीड़ा महोत्सव के महासचिव प्रकाश वनमाली शामिल थे। बता दें, बास्केटबॉल कोर्ट बॉक्स स्ट्रीट, मधुबन, वसई पूर्व में स्थित है और जनता के लिए हर दिन खुला रहेगा लेकिन बच्चों और युवाओं के फिक्स कोचिंग टाइम के साथ। पीबीडीए चार साल से बच्चों को बास्केटबॉल के लिए कोचिंग दे रहा है। ऐसे में नए कोर्ट में कोचिंग के लिए एडमिशन भी अब खुले हैं, जिसमें उम्र और स्किल के आधार पर अलग-अलग बैच हैं। पीबीडीए के बारे में बात करें तो पालघर डिस्ट्रिक्ट बास्केटबॉल एसोसिएशन की स्थापना 2016 में बास्केटबॉल प्रेमियों के एक ग्रुप ने की थी, जो सभी वसई-विरार के रहने वाले थे। यह चैरिटी कमिश्नर ऑफिस में रजिस्टर्ड है और महाराष्ट्र स्टेट बास्केटबॉल एसोसिएशन एफिलिएटेड है। पीबीडीए का मकसद पालघर जिले के बच्चों और युवाओं को मस्ती करते हुए फिट रहने और टीम वर्क सीखने में मदद करने के लिए बास्केटबॉल का उपयोग करना है। पीबीडीए, एमएसबीए और बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित अलग अलग स्टेट लेवल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पालघर जिले का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों को भेज रहा है, और इसके वाड्र्स ने नेशनल लेवल की प्रतियोगिताओं में मुंबई यूनिवर्सिटी और महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया है।

पहले बल्लेबाजी करने का फैसला सही नहीं था: धोनी

मुंबई (एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने स्वीकार किया कि गुजरात टाइटन्स के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला सही नहीं था। पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी सीएसके को तालिका में शीर्ष पर पहुंची गुजरात टाइटन्स से सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह सीएसके की नौंवी हार थी जिससे टीम नौंवे स्थान पर ही बरकरार है। धोनी ने मैच के बाद कहा, ''पहले बल्लेबाजी करने का फैसला अच्छा नहीं था। पहले हाफ में तेज गेंदबाजों को हिट करना मुश्किल था, स्पिनरों के खिलाफ भी ऐसा ही था। '' उन्होंने कहा, ''साई किशोर ने अच्छी गेंदबाजी की। हम शिवम दूबे को ऊपर भेज सकते थे लेकिन एन जगदीशन को टीम में लाने का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता। '' धोनी ने कहा, ''हम अच्छी अंतिम एकादश उतारने की कोशिश कर रहे हैं और आगामी मैचों में भी ऐसा ही करेंगे। '' गुजरात टाइटन्स के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि उनके खिलाड़ियों का कोर ग्रुप अंतिम लीग चरण के मैच में भी खेलेगा, हालांकि वे पहले ही प्लेऑफ के लिये क्वालीफाई कर चुके हैं। पंड्या ने कहा, ''अगर किसी खिलाड़ी को आराम चाहिए होगा तो हम देखेंगे, वर्ना हमें लय बनाये रखनी होगी। कोर ग्रुप को ऐसे ही रखना होगा। अगर तेज गेंदबाज आराम चाहते हैं तो हम रोटेट

करेंगे, वर्ना अंतिम एकादश ऐसा ही रहेगा।' कप्तानी के बारे में उन्होंने कहा, ''मैं ठीक कर रहा हूं क्योंकि पिछली फ्रेंचाइजी में खिलाड़ियों को काफी जिम्मेदारी दी जाती थी।

करियर की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि में से एक : श्रीकांत

बैंकाक (एजेंसी)।

भारतीय बैडमिंटन टीम की थॉमस कप की एतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में से एक किदाम्बी श्रीकांत ने इसे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों में शुमार किया। भारतीय टीम ने 14 बार की चैम्पियन इंडोनेशिया पर 3-0 की जीत से पहली बार थॉमस कप जीता जिसमें श्रीकांत ने अहम भूमिका अदा की क्योंकि उन्हें टूर्नामेंट में एक भी हार का सामना नहीं करना पड़ा। श्रीकांत ने 'वर्चुअल' प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''व्यक्तिगत स्पर्धायें हमेशा टीम स्पर्धाओं से अलग होती है और हमें मुश्किल से ही टीम स्पर्धायें खेलने को मिलती हैं और थॉमस कप फाइनल्स बड़ा टीम टूर्नामेंट है। इसलिये इतना बड़ा टूर्नामेंट जीतना वास्तव में बड़ा क्षण है। ऐसा वास्तव में हो गया है, इससे महसूस करने में समय लगेगा। '' उन्होंने कहा, ''मैं इसे अपनी सबसे बड़ी जीत में से एक करार करूंगा और मैं खुश हूं कि प्रत्येक खिलाड़ी बहुत अच्छा खेला। मुझे नहीं लगता कि यह व्यक्तिगत जीत है, यह सभी 10 खिलाड़ियों की जीत है, जब भी जरूरत पड़ी, प्रत्येक ने योगदान दिया।'' पिछले साल स्पेन में विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले श्रीकांत ने कहा कि वह अपनी जीत की तुलना नहीं कर सकते लेकिन यह उनके करियर की बड़ी जीत में से एक थी। उन्होंने कहा, ''मैंने दिसंबर में भी विश्व चैम्पियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था और यह एक अन्य टूर्नामेंट था जिसमें मैंने अच्छा किया। मैं अपनी इन जीत की तुलना नहीं कर सकता, मैं अपनी इन जीत को रैंक नहीं करना चाहता, ये सभी अहम हैं। '' श्रीकांत ने कहा, ''यह निश्चित रूप से बड़ी जीत से एक है, टूर्नामेंट के हिसाब से सर्वश्रेष्ठ और मेरे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में से एक। '' उन्होंने कहा, ''किसी भी बड़े टूर्नामेंट, चाहे राष्ट्रमंडल खेल हों, एशियाड, थॉमस और उबेर कप, विश्व चैम्पियनशिप, इन सभी में कोई पुरस्कार राशि नहीं होती। लेकिन जब आप इन टूर्नामेंट में जीतते हो तो ये देश के लिये होता है। हमारे जीतने के बाद लोगों ने कहा कि भारत ने थॉमस कप जीता, यह श्रीकांत या प्रणय की जीत नहीं थी, इसलिये यह खुद में ही इतना विशेष अहसास है।

विंबलडन से प्रतिबंधित होने के बाद मेदवेदेव की एटीपी टूर में वापसी

जिनेवा। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने यूक्रेन से जुड़ी हाल की खबरों को 'बेहद परेशान करने वाला' बताया जिसके कारण विंबलडन के आयोजकों ने उन्हें और अन्य रूसी खिलाड़ियों को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खेलने से प्रतिबंधित कर दिया। यूएस ओपन चैंपियन मेदवेदेव जिनेवा ओपन में बात कर रहे थे। वह हर्निया का ऑपरेशन करवाने के कारण पांच सप्ताह बाद एटीपी टूर में वापसी कर रहे हैं। मेदवेदेव से पूछा गया कि जब वह नहीं खेल रहे थे तो क्या रूस के यूक्रेन के हमले पर करीबी नजर रखे हुए थे, उन्होंने कहा, 'जो कुछ हो रहा है उस पर गौर करने के लिये मेरे पास कुछ समय था। हां, यह बहुत परेशान करने वाला है।'

पौष्टिक आहार दें अपने बच्चों को

अपने बच्चे के आहार को लेकर हर पालक चिंतित रहता है फिर चाहे वो किसी भी वर्ग का क्यों न हो। लेकिन सभी पालक नहीं जानते कि स्वास्थ्यवर्धक-पौष्टिक भोजन में कौन सी चीज को किस मात्रा में शामिल करना चाहिए।

झुग्गी बस्ती के बच्चों के कुपोषित होने का कारण साफ है कि उन्हें पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहार ही नहीं मिल पाता लेकिन संभ्रांत परिवारों के बच्चे भी कुपोषण का शिकार हो रहे हैं। ये बच्चे पीज्जा , बर्गर, केक-पेस्ट्री, सोडा, समोसे-कचोरी और फ्रेंच फ्राइज जैसी चीजें ही खाना पसंद करते हैं जिससे उन्हें भारी मात्रा में कैलोरी तो मिल जाती है लेकिन पोषण प्राप्त नहीं होता। इसलिए बच्चे मोटापे और कुपोषण के शिकार एकसाथ हो जाते हैं। पालकों को पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी होना बेहद जरुरी है ताकि बच्चे कुपोषण और मोटापे जैसी बीमारियों से बच सकें। सूक्ष्म पोषक तत्व खाने से मिलने वाले वे तत्व हैं जिनकी शरीर को बहुत कम मात्रा में आवश्यकता होती है। थोड़ी मात्रा में ही सही लेकिन ये तत्व शरीर के सही ढंग से काम करने के लिए अत्यावश्यक होते हैं।

सोडियम

शरीर में तरल पदार्थ का संतुलन बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होता है। रक्त का पी.एच. लेवल नियमित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

मैंग्नीज

हड्डियों के निर्माण और ऊर्जा के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फैट के चयापचय में सहायक।

मैग्नीशियम

हृदय दर (रिदम) को नियमित करने के लिए महत्वपूर्ण। यह रक्त में मौजूद शर्करा (ब्लड ग्लुकोज़) को ऊर्जा में परिवर्तित करने में सहायक होता है। साथ ही कैल्शियम और विटामिन-सी जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों के चयापचय के लिए आवश्यक है।

लौह तत्व

हमारे शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं और लिंफोसाइट्स के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

आयोडीन

थायरॉइड ग्रंथि के कार्य और विकास के लिए अत्यावश्यक होता है। फैट के चयापचय, यह ऊर्जा के उत्पादन और शरीर के विकास के लिए सहायक है।

क्लोराइड

यह कोशिकाओं में पानी और इलेक्ट्रोलाइट के स्तर को नियमित करने के साथ ही कोशिकाओं का पी.एच. लेवल बनाए रखने में सहायक है। आहार के जरिए पर्याप्त सूक्ष्म पोषक तत्व प्राप्त करना कोई कठिन कार्य नहीं है। बच्चे को संतुलित आहार देने की ओर ध्यान दें। सूखे मेवे, साबुत अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियां, विभिन्न रंगों के फल व सब्जियां (काले अंगूर, बेर, चुंकदर, आलूबुखारे आदि)। खाने में तरह-तरह की चीजों को शामिल करने से सभी प्रकार के पोषक तत्व प्राप्त हो जाते हैं।

गर्मियों में रखें अपना खास ख्याल

मौसम का मिजाज बदल गया है और अब गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। बदले मौसम में फिट बने रहने के लिए लाइफ स्टाइल में भी बदलाव जरूरी है। अपने रूटीन में बदलाव की शुरुआत करने की जरूरत है, ताकि आने वाले महीनों में आप पूरी तरह स्वस्थ रह सकें। गर्मी में तमाम बीमारियां भी लोगों को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे मौसम में जरूरी है कि अपने खानपान से लेकर पहनावे में भी बदलाव किया जाए। वहीं, अपने स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। शहर की तेज गर्मी को देखते हुए जरूरी है कि पहले से ही इस मौसम के लिए अपनी प्लानिंग कर ली जाए। इससे मौसम के नकारात्मक असर से बचा जा सकेगा। एक्सपर्ट की मानें तो गर्मी ज्यादा परेशान न करे इसके लिए जरूरी है कि सुबह जल्दी उठकर अपना रूटीन बनाया जाए। खासतौर पर अपनी डाइट का ध्यान रखा जाए।

जरूरी काम दोपहर तक पूरे करें

तेज धूप से बचने के लिए जरूरी है कि अपने दिन के जरूरी कामों को दोपहर एक बजे तक पूरा कर लिया जाए। इसके लिए सुबह जल्दी उठकर अपने दिन की प्लानिंग करें। इसमें अपने जरूरी कामों की लिस्ट तैयार कर उन्हें धूप के तेज होने से पहले पूरा करने की कोशिश करें।

आज की लड़कियों की पसंद कुर्ते

गर्मियों का मौसम शुरू होने के साथ ही बाजार में लेडीज कुर्तो की ढेरों वेरायटी नजर आने लगी है। बेहिसाब चटख रंगों में उपलब्ध ये कुरते दिखने में बेहद ही आकर्षक लगते हैं। आप इन्हें दुपट्टे के साथ और बिना दुपट्टे के भी पहन सकती हैं। मैचिंग की चूड़ीदार पजामी, पटियाला सलवार या फिर जींस के साथ भी ये कुरते खूब फबते हैं। गर्मियों में ये कुरते आमतौर पर हर लड़की के वार्डरोब का हिस्सा बन ही जाते हैं। हर बार की तरह इस बार भी बाजार में इन कुरतों की ढेरों वेरायटी देखने को मिल रही हैं। ब्रांडेड शॉप्स की बात करें तो पेंटालून्स के अलावा सभ्यता, फैब इंडिया आदि में सूती कुरतों की बेहतरीन रेंज देखने को मिलती है। इनके साथ मैचिंग की लैगिंग्स पहन सकते हैं। इनकी मैचिंग भी इस तरह से की जाती है कि रंग एकदम ब्राइट और खूबसूरत लगें। इन कुरतों में प्रिंट्स और डिजाइन की भरमार देखने को मिलती है।

सूती के इन कुरतों को इन दिनों आकर्षक और मॉडर्न लुक देने के लिए इनके नेक स्टाइल पर काफी प्रयोग किए जा रहे हैं। ये बोल्ड और मॉडर्न नेक स्टाइल इन कुरतों को सामान्य कुरतों या सूट-सलवार से भिन्न करते हैं। यही वजह है कि अब मॉडर्न युवतियों के वार्डरोब में भी आपको कुरते देखने को मिल जाएंगे। नेक स्टाइल की बात करें तो इन दिनों सूती कुरतों में बोट नेक, हॉल्टर नेक, चाइनीज कॉलर आदि चलन में हैं। बोट नेक की बात करें तो आजकल इनमें डोरी स्टाइल भी चल रहा है, वहीं हॉल्टर नेक वाले कुरतों को भी युवतियां खूब पसंद कर रही हैं। पहले जहां अनारकली स्टाइल के कुरते सिर्फ पार्टीवियर ड्रेसेज के कलेक्शन में ही उपलब्ध होते थे, वहीं अब ये स्टाइल रोजमर्रा के सूती कुरतों में भी खूब चल रहा है। शॉर्ट और लॉन्ग दोनों तरह के कुरतों में अनारकली स्टाइल इन दिनों काफी पसंद किया जा रहा है। शॉर्ट कुरतों में भी यह स्टाइल लड़कियां काफी पसंद कर रही हैं। इन्हे वे जींस के साथ ही मैचिंग लैगिंग्स के साथ भी पहन रही हैं। इसके अलावा लॉन्ग अनारकली कुरतों को पजामी और दुपट्टे के साथ कैरी किया जा रहा है।

इन सूती कुरतों में रंग और डिजाइन की बात करें तो इसकी भरमार है। राजस्थानी वर्क जैसे, शीशे का काम, थ्रेड वर्क आदि के अलावा लखनऊ का चिकन वर्क, आंध्रप्रदेश का कांथा वर्क आदि भी इन कुरतों में देखने को मिल रहा है। इन कुरतों में ज्यादातर चटख रंगों का कॉम्बिनेशन देखने को मिल रहा है। जैसे लाल, नारंगी, गुलाबी, नीला, पीला, हरा आदि। राजस्थानी का टाई एंड डाई और बांधनी वर्क भी इन कुरतों में खूब पसंद किया जा रहा है।

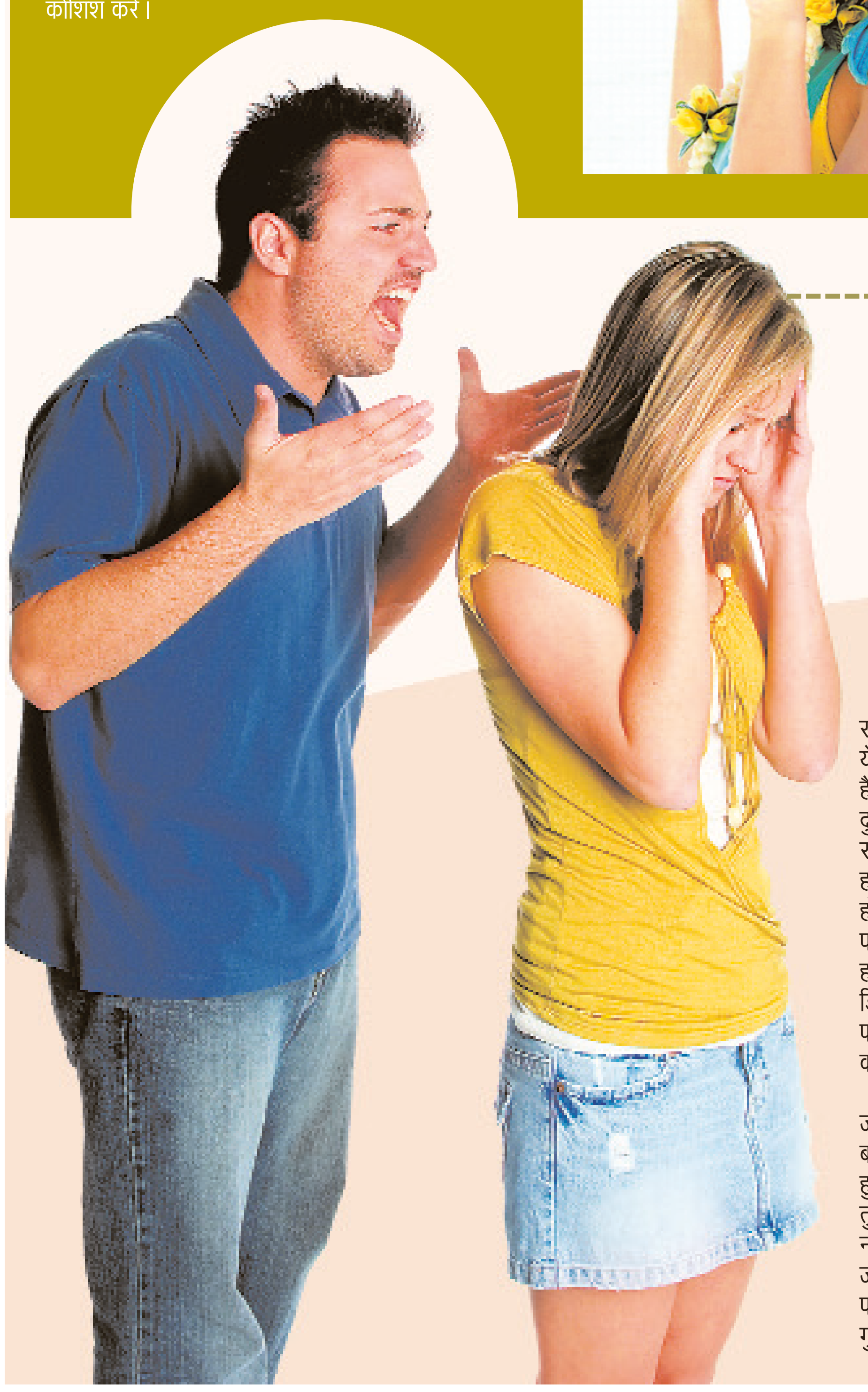

परिवार के साथ जरूरी व्यवहारकुशलता

कभी हम सोचने का प्रयास नहीं करते हैं कि क्यों युवा होते बच्चे अक्सर परिवार से अलग हो जाते हैं? क्या परिवार में स्नेह की, समर्पण की, जुड़ाव की कमी इसका महत्वपूर्ण कारण नहीं होती? और यह कमी उनके बचपन में हमने ही तो नहीं दी होती है? यदि आज वे उसे सूद सहित लौटाते हैं तो इसमें भूल उनकी नहीं, हमारी है कि हमने उन्हें इस लायक नहीं बनाया कि वे परिवार रूपी वृक्ष की जड़ों की सींचकर मजबूत बनाए रखें।

रिश्ते खुशी देते हैं, तो एवज में उन्हें सहेजने का कर्म भी तो करना होगा न...! ये सच है कि जो हमारे सबसे करीब होते हैं, अक्सर वे ही नजर नहीं आते, पूरी दुनिया नजर आती है, लेकिन वे ही भूले से रहते हैं। हमारी खीझ, कमी, झल्लाहट, हताशा और नकारात्मकता का शिकार होते हमारे अपने हमारे प्यार, सांत्वना, परवाह, समर्पण और तरलता का भी तो हक रखते हैं, तो क्यों सारी दुनिया में डिसेंट होते-होते हम अपनों के ही सामने फट पड़ते हैं। उन्हें भी तो अपनी सॉफ्टनेस का दर्शन कराएं।

सुबह होते ही मानों घर में भूचाल आ जाता है। बर्तन-भांडे के साथ मुंह भी बजने लगते हैं। ये नहीं किया, वो नहीं हुआ, इतनी-सी बात समझ में नहीं आती, तुम्हें तो कुछ भी नहीं आता जैसी ढेरों नहीं-नहीं... घर के वातावरण में घुलती जाती हैं। अलार्म नहीं बजा, काम समय पर नहीं हुआ, देर हो गई, इन सबका गुस्सा उतरा स्कूल के लिए तैयार होते बच्चों पर... कारण तो जरा-सा था, मगर उसका प्रभाव एक स्थायी नकारात्मकता के रूप में दिनभर के लिए बच्चों के दिलों-दिमाग में बस गया।

घर-दफ्तर में अपनी व्यवहारकुशलता के लिए माने जाने वाले श्रीमान घर में घुसते ही मानो चोला बदल डालते हैं। घर में घुसते ही दृष्टि केवल कटाक्ष करने वाले कारणों को, वस्तुओं को ढूंढती रहती है। चाय बेस्वाद है से शुरू हुआ संवाद कितना अस्त-व्यस्त है घर, कितना शोर-शराबा है, सलीके से बैठो, चुप तो रहो थोड़ी देर, आखिर इतना भी नहीं होता तुमसे... जैसे प्रहारों के साथ इति पाना है और स्वागतार्थ निकट आए पत्नी और बच्चे चुपचाप इधर-उधर हो लेते हैं... मन में आपके व्यवहार की नकारात्मक छाप लिए ...।

हम अक्सर कहते हैं कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, वह परिवार से जुड़कर रहना चाहता है, पर क्या यह जुड़ाव अपना अनर्गल, अवांछित गुस्सा उतारने के लिए रखा जाता है? होना तो यह चाहिए कि अपने प्रिय व्यक्ति के सामने आते ही सारा गुस्सा, सारा क्षोभ तिरोहित होकर प्रेम का संगीत फूटना चाहिए और उस सरल सामंजस्य के द्वारा छोटी-मोटी परेशानियों का हल निकाला जाना चाहिए... मगर अक्सर जो हमें सबसे प्रिय होता है, उसी पर बाहर वालों के गुस्से का गुबार फूट पड़ता है, बिना यह जानें कि इस बात पर उसकी प्रतिक्रिया क्या होगी?

वह जानती है कि मैं उससे बहुत प्यार करता हूं या वे मेरे बच्चे हैं, मुझे समझते हैं जैसी बातों से हम अपने आप को दिलासा भले ही दे लें, मगर वास्तव में संबंधों का रसायन भी क्रिया-प्रतिक्रिया के नियम पर ही चलता है, यानी हम जो देंगे, वही हमें प्राप्त होगा... प्यार के बदले प्यार और नफरत के बदले नफरत... आपकी नकारात्मकता का आज भले ही आपको जवाब न मिले, मगर कालांतर में आपको इसकी प्रतिक्रिया का शिकार किसी न किसी रूप में होना ही पड़ेगा।

पालकों के व्यक्तित्व की नकारात्मकता, चिढ़चिढ़ाहट अनजाने ही बच्चों के स्वभाव में आती-जाती है और वे भी उक्त परिस्थिति में अपनी मां या पिता के समान रिएक्ट करने लगते हैं... यानी यह नकारात्मकता पीढ़ी-दर-पीढ़ी संग्रहित होती जाती है। एक-के-बाद दूसरे परिवार को असंतुष्ट-असंतुलित करती जाती है।

हम क्यों इस सच्चाई को अनदेखा करते हैं कि जीवन है तो सुख-दुख, परेशानी-राहत का चक्र चलता ही रहेगा... उनसे व्यथित हो रिश्तों को कटु बनाने और विभक्त होने की बजाय प्रेम की, आपसी संबंधों के माधुर्य की डोर को सहेजने का प्रयास करना क्या हर तरह से शांतिदायक, लाभकारी सिद्ध नहीं होगा? यूं भी प्यार की परिभाषा ही है आप जिससे प्यार करते हैं, उसे खुश रखें, परिवार के माहौल को आनंदित बनाएं, ताकि परेशानी के क्षणों में भी आप कह सकें - हम सब साथ हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

रूस में अपना कारोबार बेचेगी मैकडॉनल्ड्स, अभी कर्मचारियों को भुगतान जारी रखेगी

शिकॉगो। फास्टफूड रेस्तरां श्रृंखला मैकडॉनल्ड्स ने सोमवार को कहा कि उसने अपने रूसी कारोबार को बेचने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रूस में कंपनी के 850 रेस्तरां हैं, जिसमें 62,000 लोग काम करते हैं। मैकडॉनल्ड्स यूक्रेन पर हमले के बाद रूस से बाहर निकलने वाली पश्चिम की एक और प्रमुख कंपनी है। कंपनी ने युद्ध के कारण मानवीय संकट की ओर इशारा करते हुए कहा कि रूस में कारोबार करना अब ह्यह्यउचित नहीं है और न ही यह मैकडॉनल्ड्स के मूल्यों के अनुरूप है।' शिकॉगो स्थित कंपनी ने मार्च की शुरुआत में कहा था कि वह अस्थायी रूप से रूस में अपने स्टोर बंद कर रही है, लेकिन कर्मचारियों को भुगतान करना जारी रखेगी। कंपनी ने सोमवार को कहा कि वह इस बात की संभावनाएं तलाश रही है कि कोई रूसी खरीदार इन श्रमिकों को काम पर रख ले। कंपनी ने कहा कि वह बिक्री बंद रहने तक उन्हें भुगतान करती रहेगी। मैकडॉनल्ड्स ने संभावित खरीदार की पहचान नहीं बताई। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) क्रिस केम्पजिंस्की ने कहा कि कर्मचारियों और सैकड़ों रूसी आपूर्तिकताओं के मैकडॉनल्ड्स के प्रति समर्पण के चलते यह फैसला काफी कठिन था। उन्होंने एक बयान में कहा, 'हालांकि, वैश्विक समुदाय के लिए हमारी प्रतिबद्धता है और हमें अपने मूल्यों पर दृढ़ रहना चाहिए।

20 दिन का टूरिस्ट वीजा लेकर भारत आई श्रीलंका की लड़की ने रचाई यूपी के लड़के से शादी, इनकी लव स्टोरी पढ़ आप भी हो जाएंगे हैरान

नई दिल्ली। प्यार न जात देखता है और न ही देश। ऐसा ही कुछ बलराम और मधुशा के बीच हुआ। उत्तर प्रदेश का लड़का और श्रीलंका की लड़की के बीच इतना गहरा प्यार हुआ की दोनों ने शादी रचा ली। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी का रहने वाला बलराम नौकरी के लिए साउथ अफ्रीका गया हुआ था जहां उसकी मुलाकात श्रीलंकाई लड़की मधुशा जयवंशी से हुई। मधुशा वहां कम्प्यूटर की पढ़ाई करने के लिए आई थी। दोनों की दोस्ती प्यार में तब्दील हो गई और दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब आ गए। मधुशा की जब पढ़ाई पूरी हो गई तो वह वापस अपने देश श्रीलंका लौट आई लेकिन इसकी जानकारी लड़के बलराम को नही थी। बल राम ने जब कोचिंग सेंटर से जानकारी हासिल की तो पचा चला की लड़की वापस अपने देश चली गई है। प्यार में डूबा बलराम कंपनी की मदद से श्रीलंका पहंचा और करीब 6 महीने बाद दोनों एक बार फिर मिले। सबकुछ ठीक चल रहा था और मुलाकात के बाद बलराम वापस साउथ अफ्रीका चला गया। इसी बीच अचानक श्रीलंका में आर्थिक संकट के चलते उपद्रव शुरू हो गया और हर जगह प्रदर्शन होने लगे। मधुशा ने इसकी जानकारी साउथ अफ्रीका में बैठे बलराम को दी, तो वह दोबोरा हवाई जहाज से श्रीलंका पहुंचा और वहां अपनी प्रेमिका से कोर्ट मैरिज की और भारत वापस लौट आया और अपने घरवालों को इसकी जानकारी दी। परिवारवालों की रजामंदी के बाद बलराम ने पत्नी बन चुकी मधुशा का 20 दिन के लिए टूरिस्ट वीजा बनवाया और मधुशा 8 मई को कौशाम्बी आई जिसके बाद दोनों की हिंदू रिति रिवाज के साथ शादी हुई।

'पाकिस्तान में पड़ा पानी का अकाल', संयुक्त राष्ट्र ने सूखा प्रभावित 23 देशों की लिस्ट में किया शामिल

संयुक्त राष्ट्र। पाकिस्तान दुनिया के उन 23 देशों में से एक है जो पिछले दो वर्ष से अधिक समय से सूखे का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। संयुक्त राष्ट्र के 17 जून को 'मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस' के मद्देनजर मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेन्शन द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछली सदी में एशिया में सबसे अधिक लोग सूखे से प्रभावित हुए। पाकिस्तान के अलावा संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल अन्य 22 देश अफगानिस्तान, अंगोला, ब्राजील, बुर्किना फासो, चिली, इथियोपिया, ईरान, इराक, कजाखस्तान, केन्या, लेसोथो, माली, मॉरितानिया, मेडागास्कर, मलावी, मोजाम्बिक, नाइजर, सोमालिया, दक्षिण सूडान, सीरिया, अमेरिका और जाम्बिया हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2050 तक भारत और पाकिस्तान के आकार के जितने अतिरिक्त 40 लाख वर्ग किलोमीटर प्राकृतिक क्षेत्रों को सूखे से निपटने के उपायों की आवश्यकता होगी। इसमें आगाह किया गया है कि धरती की 40 फीसदी जमीन का क्षरण हो गया है, जिससे मनुष्यों की आधी आबादी पर असर पड़ा है।

व्हाइट हाउस में नहीं, बिलावल हाउस में रची गई आपके खिलाफ साजिश : बिलावल भुट्टो

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार को अपदस्थ करने की साजिश व्हाइट हाउस नहीं, बल्कि बिलावल हाउस में रची गई थी। गौरतलब है कि इमरान खान अपनी सरकार के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के पीछे अमेरिका का हाथ होने का आरोप लगाते रहे हैं। कराची में एक रैली को संबोधित करते हुए बिलावल ने कहा कि खान के दावों के विपरीत उनके खिलाफ कोई विदेशी साजिश नहीं थी और उन्हें केवल एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से हटाया गया, जो देश की संसद और राजनीतिक कार्यकताओं दोनों की जीत है। बिलावल भुट्टो ने कहा कि हमने अविश्वास प्रस्ताव को इमरान खान के खिलाफ लोकतांत्रिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया और उनकी सरकार को गिरा दिया। उन्होंने कहा इमरान खान कभी आपके या जनता के प्रतिनिधि नहीं थे उन्हें हम पर थोपा गया था। उन्होंने सत्ता संभाली लेकिन वह एक भी वादे को पूरा करने में विफल रहे।

अमेरिका के सुपरमार्केट में गोलीबारी, 10 की मौत, अश्वेत लोगों को मारना चाहता था हमलावर

बफेलो (अमेरिका)। अमेरिका के बफेलो में एक सुपरमार्केट में 10 लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाले 18 वर्षीय श्वेत हमलावर ने स्थानीय जनसांख्यिकी के बारे में काफी खोजबीन की थी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमलावर ज्यादा से ज्यादा अश्वेत लोगों को मौत के घाट उतारने के मकसद से क्षेत्र की रेकी करने के लिए एक दिन पहले ही वहां पहुंच गया था। प्राधिकारियों के मुताबिक, नस्ली घृणा से प्रेरित यह हमला पुलिस द्वारा हमलावर को एक साल पहले स्कूल में गोलीबारी की धमकी देने को लेकर अस्पताल ले जाने के बाद हुआ है। पुलिस ने बताया कि उस समय हमलावर पर आरोप नहीं तय किए गए थे और डेढ़ दिन के भीतर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

प्योंगयांग में कोरोना संक्रमण फैलने के बाद उत्तरकोरियाई शीर्ष नेता किम जोंग उन एक दवा की दुकान का निरीक्षण करते हुए।

कोरोना ने बढ़ाई किम जोंग उन की टेंशन, अधिकारियों को फटकार, सेना को दे दिया ये आदेश

उत्तर कोरिया में कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के बीच सोमवार को बुखार से मौत के आठ और मामले सामने आए, जबकि 3,92,920 और लोग बुखार से पीड़ित पाए गए। देशभर में सख्त लॉकडाउन की घोषणा पहले से ही कर दी गई है। इसके साथ ही उत्तर कोरिया के सनकी तानाशाह किम जोंग उन ने कोविड 19 के प्रकोप के बीच अपने लोगों दो दवा देने में फेल रहने के लिए अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। इसके साथ ही अब कोरोना के बढ़ते खतरे के मद्देनजर किम सेना को मैदान में उतारने के आदेश दे दिए हैं। किम जोंग उन की तरफ से दवा की सप्लाई को तेज करने के लिए तानाशाह किम जोंग उन ने सेना के जवानों को लगाने का आदेश दिया है।

कोरोना ने बढ़ाई तानाशाह की टेंशन

उत्तर कोरिया के वायरस रोधी आपात मुख्यालय ने बताया कि अप्रैल के अंत से 12 लाख लोगों को बुखार हो चुका है, जिनमें से 5,64,860 लोग अब भी क्वारंटीन में हैं। मुख्यालय के मुताबिक15 मई शाम छह बजे तक बुखार से पीड़ित 24 और लोगों की मौत होने के बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 50 हो गई है। हालांकि, सरकारी मीडिया ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि बुखार से पीड़ित और उससे जान गंवाने वालों में से कितने लोग कोरोना वायरस से संक्रमित थे।

बताया जाता है कि 2.6 करोड़ की आबादी वाले देश में अधिकतर लोगों को कोविड-19 रोधी टीके नहीं लगे हैं।

बुद्ध पूर्णिमा पर पीएम मोदी लुम्बिनी पहुंचे, नेपाल के पीएम ने किया स्वागत, मायादेवी मंदिर में दर्शन कर की पूजा

लुम्बिनी, नेपाल। (एजेंसी)

महात्मा बुद्ध की जन्मस्थली नेपाल के लुम्बिनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर यहां स्थित माया देवी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। गौतम बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी में स्थित इस ऐतिहासिक मंदिर के दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके नेपाली समकक्ष शेर बहादुर देउबा भी थे। भारतीय प्रधानमंत्री के कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा, 'लुम्बिनी में पावन माया देवी मंदिर में पूजा अर्चना के साथ ही नेपाल दौरे की शुरूआत।' नेपाल के विदेश मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा, 'बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर दोनों प्रधानमंत्रियों ने गौतम बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी में माया देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की।' लुम्बिनी पहुंचने पर प्रधानमंत्री देउबा ने खुद मोदी का स्वागत किया।

मोदी ने एक ट्वीट में कहा, 'लुम्बिनी में गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए मैं प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को धन्यवाद देता हूं।' इससे पहले, प्रधानमंत्री ने एक अन्य ट्वीट में बताया, 'नेपाल पहुंच गया। बुद्ध पूर्णिमा के विशेष अवसर पर नेपाल के शानदार लोगों के बीच आकर खुशी महसूस कर रहा हूं।

लुम्बिनी में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने को उत्सुक हूं।' प्रधानमंत्री मोदी, देउबा के निमंत्रण पर नेपाल पहुंचे हैं। वह एक दिवसीय यात्रा पर लुम्बिनी आए हैं। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद मोदी की यह पांचवीं नेपाल यात्रा है। मोदी बुद्ध जयंती पर यहां एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसका आयोजन लुम्बिनी विकास ट्रस्ट ने नेपाल सरकार के सहयोग से किया है।

मोदी लुम्बिनी बौद्ध विहार क्षेत्र में बौद्ध संस्कृति और विरासत केन्द्र के निर्माण के शिलान्यास समारोह में भी शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्कृति और विरासत केन्द्र का निर्माण वैश्विक अपील पर भारत स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ द्वारा लुम्बिनी विकास ट्रस्ट के सहयोग से किया जा रहा है। नेपाल के तराई मैदानी इलाके में स्थित लुम्बिनी बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लुम्बिनी में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी शाम चार बजे कुशीनगर लौट आएंगे। वह महापरिनिर्वाण स्तूप जाएंगे जहां वह दर्शन और पूजा करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। यात्रा से पहले मोदी ने रविवार को कहा था कि भारत और नेपाल के संबंध 'अद्वितीय' हैं।

यदि इमरान खान को गिरफ्तार किया गया तो पाकिस्तान भी श्रीलंका बन जाएगा : शेख रशीद

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने आगाह किया है कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार किया जाता है तो उनकादेश 'श्रीलंका बन जाएगा' और इसके लिए नयी सरकार जिम्मेदार होगी। रशीद ने रविवार को फैसलाबाद में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा गठबंधन सरकार दिशाहीन हो गयी है और वह स्थिति से निपटने में सक्षम नहीं है। रशीद ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर खान को गिरफ्तार किया जाता है तो पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इस स्थिति से निपटने के लिए पहले ही एक रणनीति बना रखी है। रशीद ने कहा, 'अगर इमरान खान को गिरफ्तार किया जाता है तो पाकिस्तान, श्रीलंका बन जाएगा और ये लोग (मौजूदा सरकार) इसके लिए जिम्मेदार होंगे।' पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इमरान खान पर देश में गृह युद्ध छेड़ने की साजिश रचने का आरोप लगाया और आगाह किया कि अगर देश के राष्ट्रीय संस्थानों के खिलाफ एक मनगढ़ंत कहानी गढ़ी गयी तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, 'मैं पाकिस्तान को श्रीलंका में तब्दील नहीं करना चाहता।' पूर्व मंत्री ने कहा, 'शहबाज शरीफ, आपको देश को संबोधित करना चाहिए और यह बताना चाहिए कि आप अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जा रहे हैं या नहीं।' उन्होंने कहा कि देश में एक महीने के भीतर छह अरब डॉलर की कमी हो गयी है। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) पर निशाना साधते हुए रशीद ने कहा कि खान अपदस्थ होने के बावजूद मुल्क के नायक बन गए थे। उन्होंने कहा, '11 दलों की राजनीति खत्म हो गयी है और मत (वोट) का सम्मान करने का वक्त चला गया है क्योंकि मतों को 25 करोड़ रुपये के लिए बेच दिया गया।

दुनिया की 'सबसे उम्रदराज महिला' ने 50 पोते-पोतियों के साथ मनाया 128वां जन्मदिन

केप टाउन (एजेंसी)

दक्षिण अफ्रीका की रहने वाली दुनिया की 'सबसे उम्रदराज महिला' जोहाना माज़िबुको ने 50 पोते-पोतियों के साथ अपना 128वां जन्मदिन मनाया। उनकी इतनी लंबी उम्र के पीछे खान-पान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। ताजा दूध और जंगली पालक का कॉम्बिनेशन है जिससे जोहाना इतने लंबे समय तक जिंदा रही हैं। जोहाना के पास दस्तावेज हैं जो बताते हैं कि वह 1894 में पैदा हुई हैं। अपने जीवन में उन्होंने ब्रिटिश राज और दोनों विश्वयुद्ध को शुरू और खत्म होते देखा है।

जोहाना ने बताया कि वह अपने 12 भाई बहनों में सबसे बड़ी थीं। वह मक्के के खेत में रहती थीं। उन्होंने कहा, 'हमने खेतों में काफी अच्छा समय गुजारा। वहां कोई दिक्कत नहीं थी।' टिड्डी दल के एक हमले को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इसने हमारे सामने समस्या खड़ी कर दी थी। उन्होंने कहा, 'टिड्डी दल के हमले से हम सब परेशान हो गए। लेकिन इन कीड़ों से छुटकारा पाने के लिए हमारे परिवार ने नया तरीका खोजा। हमने उन्हें पकड़ कर खाना शुरू कर दिया। ये मांस खाने की ही तरह था।' जोहाना ने कहा कि बचपन में वह ताजे दूध और जंगली पालक खाकर पली बढ़ीं। वह आज आधुनिक समय के भोजन खाती हैं, लेकिन वह कहती हैं कि उन्हें उनका सादगी भरा बचपन याद आता है। जोहाना 128 साल की उम्र में भी ठीक से चल फिर सकती हैं। हालांकि उन्हें सुनने में समस्या है, लेकिन उनकी आंखें ठीक हैं। जोहाना कई बार अपने पुराने समय को याद करते हुए बताती हैं कि उन्होंने एक व्यक्ति से शादी की जिसकी पहली पत्नी मर चुकी थी। उसके पास गाय और घोड़े थे।

क्या श्रीलंका जैसे हो जाएंगे बांग्लादेश के हालात ? पड़ोसी मुल्क के पास 5 महीने का ही विदेशी मुद्रा भंडार !

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारत का पड़ोसी मुल्क श्रीलंका अपनी आजादी के बाद के सबसे बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहा है और ऐसे में बांग्लादेश में भी चिंता बढ़ गई है। क्योंकि बांग्लादेश भी श्रीलंका की राह में आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। दोनों मुल्कों ने चीन से भारी कर्जा ले रखा है और तो और बांग्लादेश की मुद्रा में भी काफी गिरावट दर्ज की गई है। यह तो सभी जानते ही हैं कि श्रीलंका की मौजूदा परिस्थिति के लिए भारी कर्जा भी जिम्मेदार है। बांग्लादेशी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश में जिस तेजी के साथ आयात खर्च बढ़ा है उस हिसाब से निर्यात से होने वाली आमदनी में बढ़ोतरी नहीं देखी गई है। इस वजह से व्यापार घाटा बढ़ा है और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव की आशंका है। कहा जा रहा है कि पिछले कुछ वक़्त से व्यापार घाटा धीरे-धीरे बढ़ रहा है। जिसका खामियाजा उठाना पड़ सकता है।

विदेशी मुद्रा भंडार की कमी ?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार धीरे-धीरे खाली हो रहा है और अगर इसी तरह खाली होता रहा तो 5 महीनों तक ही आयात का खर्च वाहन किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश के पास अभी 42 अरब अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है मगर अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) लगातार बांग्लादेश को इसकी सही गणना करने के लिए कह रहा है और अगर बांग्लादेश ने विदेशी मुद्रा भंडार की सही गणना की तो माना जा रहा है कि 7 अरब अमेरिकी डॉलर की कमी हो सकती है। इसी बीच विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमिन ने बांग्लादेश की तुलना श्रीलंका से नहीं करने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की आमदनी का मुख्य आधार पर्यटन है और इस पर कोरोना महामारी के दौरान बहुत खराब असर पड़ा है। जबकि बांग्लादेश की विदेशी मुद्रा की आमदमी का मुख्य आधार निर्यात और विदेशों में रहने वाले बांग्लादेशियों की तरफ से भेजा गया पैसा है। जिसकी वजह से विदेशी मुद्रा की आज काफी ज्यादा बढ़ी है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान विदेश में रहने वाले बांग्लादेशियों ने 25 बिलियन डॉलर की रकम भेजी। जबकि देश का सालाना निर्यात 40 बिलियन डॉलर से भी ऊपर है।

अगर बांग्लादेश को निर्यात से 40 बिलियन डॉलर की कमाई हो रही है तो फिर विदेशी मुद्रा भंडार खत्म होने से बच सकता है। भले ही आयात में वृद्धि क्यों न दर्ज की जा रही हो। लेकिन मौजूदा समय में बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार ने सरकारी अधिकारियों की विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके अलावा कम जरूरी परियोजनाओं के अस्थायी निलंबन पर भी विचार किया जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि भविष्य में संकट के बादल मंडराए इससे पहले ही शेख हसीना सरकार इन हालातों से उबरने के लिए और भी ज्यादा सख्त कदम उठा सकती है।

ड्रैगन ने नागरिकों के देश छोड़ने पर लगाई रोक, सीमा शुल्क अधिकारी लोगों के पासपोर्ट और ग्रीनकार्ड कर रहे नष्ट, जानें चीन ने इस पर क्या कहा?

बीजिंग। (एजेंसी)

कोरोना और आर्थिक संकट झेल रहे चीन में खाने-पीने के सामानों को लेकर मारामारी हो रही है। लोग दहशत में चावल, तेल, नूडल्स, नमक जैसी चीजों को एकट्ठा कर रहे हैं।चीन के वुहान शहर में सबसे पहले सामने आए कोरोना वायरस के घातक स्वरूप के दो साल के अधिक समय बीत जाने के बाद अब भी चीन में कोविड संकट थमा नहीं है। मौजूदा वक्त में देशभर में अभी लगभग 40 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में लॉकडाउन में रह रहे हैं। वहीं मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भीषण कोविड संकट और खस्ता होते आर्थिक हालात के बीच चीन ने अपने नागरिकों को देश छोड़ने पर पाबंदी लगा दी है। रिपोर्ट के अनुसार चीन ने फैसला देश से पैसों को बाहर निकलने से रोकने से बचाने के लिए उठाया है।

चीनी मूल की मानवाधिकार कार्यकर्ता जेनिफर जेंग ने एक वीडियो ट्विटर पर शेयर किया है। जिसमें पीपीईकिट पहने कुछ लोग यात्रियों के बैग को छीनते और घसीटते नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही जेंग ने वीडियो के कैप्शव में लिखा है कि चीन का दक्षिणी ग्वांगडोंग प्रांत जुहाई में पता नहीं कि वास्तव में क्या हो रहा है। लेकिन ऐसी कई अफवाहें हैं कि कस्टम में लोगों के पासपोर्ट और यहां तक ??कि ग्रीन कार्ड भी नष्ट किए जा रहे हैं। लोगों के लिए चीन से निकलना मुश्किल होता जा रहा है। जेंग के वीडियो पोस्ट पर एक यूजर ने रिप्लाई करते हुए लिखा है कि ये सच है कि चीन में सीसीपी द्वारा बहुत से लोगों के पासपोर्ट नष्ट कर दिए गए हैं। इसलिए मैं वापस चीन जाने की हिम्मत नहीं करता। पासपोर्ट को नष्ट करने और लोगों की यात्रा को रोकने के लिए वे कई बहाने ढूंढते थे। सब कुछ भयानक और किसी भी समय से भी बदतर है। हालांकि शेयर किए गए वीडियो और पासपोर्ट नष्ट की जाने वाली खबरों की प्रमाणिकता को लेकर प्रभासाक्षी की तरफ से पुष्टि नहीं की गई है। ये पूरी तरह मीडिया रिपोर्ट और सोशल मीडिया पर किए दावे पर आधारित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की सरकार ने ये आधिकारिक घोषणा उस वक्त की है, जब चीन के ही कुछ लोगों ने शिकायत की थी, कि विदेश से चीन लौटने पर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर अधिकारी कई घंटों तक उनकी जांच करते रहते हैं। कुछ लोगों ने कथित तौर पर कहा कि, चीनी अधिकारियों ने लोगों के पासपोर्ट और यहां तक कि संयुक्त राज्य के स्थायी निवासियों के ग्रीन कार्ड भी काट दिए। वहीं पूरे मामले पर चीन के आव्रजन निरीक्षण कार्यालय ने आज (शुक्रवार) चीनी सोशल मीडिया पर सीमा निरीक्षकों द्वारा नागरिकों के पासपोर्ट नष्ट किए जाने के हालिया आरोपों से इनकार किया और कहा कि सरकार ₹अफवाह फैलाने वालों₹ पर मुकदमा चलाने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

रूस को कूटनीतिक मोर्चे पर लगा तगड़ा झटका, फिनलैंड व स्वीडन ने लिया नाटो में जाने का निर्णय

कीव (एजेंसी)

पूर्वी यूक्रेन में रूसी सेना को यूक्रेनी सैनिकों के कड़े प्रतिरोध के साथ ही मॉस्को को बीते सप्ताहांत कूटनीतिक मोर्चे पर भी तगड़ा झटका लगा है। रूस के अनेक आश्वासनों और धमकियों के बाद भी दो और यूरोपीय देशों ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। फिनलैंड ने रविवार को नाटो में शामिल होने की योजना का एलान करते हुए कहा कि करीब तीन महीने पहले यूक्रेन पर रूस के युद्ध ने यूरोप का सुरक्षा परिदृश्य बदल दिया है। इसके कुछ घंटों बाद स्वीडन ने भी कहा कि वह आने वाले दिनों में नाटो की सदस्यता के लिए आवेदन दे सकता है। कदम रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए झटका माने जा रहे हैं, जिन्होंने शीतयुद्ध के बाद पूर्वी यूरोप में नाटो के विस्तार को खतरा करार देते हुए यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया था। वहीं, नाटो कहना है कि यह पूरी तरह से रक्षात्मक गठबंधन है। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग ने बर्लिन में शीर्ष राजनयिकों से मुलाकात करते हुए कहा कि युद्ध वैसा नहीं चल रहा है, जैसा कि मॉस्को ने योजना बनाई थी। यूक्रेन इस युद्ध को जीत सकता है। जानकारों के मुताबिक, रूस ने पूर्वी यूक्रेन में नुकसान जरूर पहुंचाया है, लेकिन वह क्षेत्र में बढ़त बनाने में नाकाम रहा है। रूस और यूक्रेन के लड़ाके यूक्रेन के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्र डोनबास में एक-एक गांव के लिए लड़ रहे हैं। यूक्रेन की सेना ने कहा कि उसने डोनबास के दोनेत्स्क क्षेत्र में रूस के एक आक्रमण को रोक दिया है। वहीं, यूक्रेन ने पूर्वी लुहांस्क क्षेत्र में उन दो रेलवे पुलों को भी ध्वस्त कर दिया है, जिसे रूस की सेना ने अपने कब्जे में लिया था। साथ ही यूक्रेन की सेना ने पूर्वी लिजियम शहर के पास रूस की बढ़त को रोक दिया है। यूक्रेन के खारकीव क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनेगुबोव ने यह जानकारी दी है।

सार समाचार

मुंडका अग्निकांड : उपराज्यपाल ने मजिस्ट्रेट जांच की मंजूरी दी, 6 हफ्तों में पूरी करनी होगी जांच

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने मुंडका इमारत अग्निकांड की मजिस्ट्रेट से जांच कराने की मंजूरी दे दी है। यह जांच छह सप्ताह में पूरी होगी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि इस अग्निकांड में 27 लोगों की मौत हुई है। दिल्ली सरकार ने रविवार शाम को इस अग्निकांड की मजिस्ट्रेट जांच के संबंध में एक आदेश जारी किया। अधिकारियों ने बताया कि जिलाधिकारी (पश्चिम) संबंधित विभागों और एजेंसियों की ओर से हुई चूक की जांच करेंगे और घटना के लिए जिम्मेदार रहे अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश करेंगे। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के उपायों पर भी सुझाव देंगे। गौरलतब है कि बाहरी दिल्ली के मुंडका इलाके में 13 मई को चार मंजिला एक इमारत में आग लग गई थी। अग्निशमन अधिकारियों के मुताबिक आग पहली मंजिल से एसी में संदिग्ध धमाके की वजह से लगी। घटना के बाद 19 लोग अब भी लापता हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को घटनास्थल का दौरा किया था और मजिस्ट्रेट जांच की घोषणा की थी। अधिकारियों के मुताबिक जांच से संबंधित फाइल को उपराज्यपाल ने मंजूरी दे दी है।

सरकारें नीयत साफ रखकर अंतर मिटाएं यही बुद्ध को सच्ची श्रद्धांजलि: मायावती

नई दिल्ली । बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि सिर्फ माथा टेकने से काम नहीं चलेगा। सरकारें नीयत साफ रखकर अंतर मिटाएं यही गौतमबुद्ध को सच्ची श्रद्धांलजि होगी। उन्होंने गौतमबुद्ध को श्रद्धांजलि देने के बाद यह बातें सोमवार को कही। उन्होंने कहा कि तथागत जैसे संतों, गुरुओं व महापुरुषों आदि के आदर्शों पर चलकर ही जनता के जीवन को सुखी बनाने की व्यापक उपयोगिता व सार्थकता है। इसीलिए सभी प्रकार के द्वेष व संकीर्णता आदि से ऊपर उठकर देश को फिर से जगदगुरु बनाने के ईमानदार प्रयास की जरूरत है। बसपा अपनी तरफ से लगातार प्रयास व संर्घरत है। इससे कतई पीछे हटाने वाली नहीं है। पर सरकारों को भी इस पर ईमानदारी से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एशिया के ज्योति पुंज के रूप में माने जाने वाले महात्मा गौतमबुद्ध ने भारतीय इतिहास को सत्यपरक ज्ञान से सुशोभित किया। उनके अनुयाइयों में सम्राट चंद्रगुपत मौर्य व महान सम्राट अशोक ने बहुजन हितया व बहुजन सुखाय को अपने संविधान के मूल सूत्र के रूप में स्थापित कर सामाजिक क्रांति की मजबूत नींव डाली।

राज ठाकरे मुझे कहीं मिल जाता, तो दो-दो हाथ जरूर कर लेता: बृजभूषण

सुल्तानपुर। भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे के खिलाफ लगातार ही मोर्चा खोले हुए हैं। सुल्तानपुर पहुंचे भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने राज ठाकरे को लेकर कहा कि अगर किसी संयोग से राज ठाकरे उन्हें कहीं मिल जाते तो वे उनसे दो-दो हाथ कर लेते।कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण सर्वोदय इंटर कॉलेज में जनसभा करने पहुंचे थे। इस दौरान मनसे प्रमुख के खिलाफ इस कदर मोर्चा खोले जाने को लेकर सवाल पर भाजपा सांसद ने कहा कि राज ठाकरे से मेरी कोई दुश्मनी नहीं है। उनकी हैसियत नहीं कि वे मुझे कोई नुकसान पहुंचा सकें। काश कोई ऐसा संयोग बनता कि राज ठाकरे मुझे कहीं मिला जाता, तो दो-दो हाथ जरूर कर लेता। दरअसल उत्तर भारतीयों को लेकर राज ठाकरे द्वारा दिए गए विवादित बयान को लेकर यूपी के कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण आक्रोशित हैं। आगामी 5 जून को राज ठाकरे अयोध्या आने वाले हैं, जिसे लेकर बृजभूषण उन्हें यहां न आ देने के लिए लगातार जनसंपर्क और रैलियां करके अपनी मुहिम के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। इसी कड़ी में वे सुल्तानपुर पहुंचे, जहां उन्होंने लंभुआ तहसील के सर्वोदय इंटर कालेज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक राज ठाकरे अपने बयान से माफी न मांग लें तब तक उत्तर प्रदेश की धरती पर उन्हें उतरने का कोई हक नहीं।

पीएम मोदी के गुजरात दौरे में बदलाव, 29 के बजाए 28 मई को आएंगे गुजरात

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं भाजपा, कांग्रेस और आप समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं का गुजरात में आवागमन बढ़ गया है ऐसे में फिर एक बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात दौरे पर आ रहे हैं पीएम मोदी के पहले के निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव हुआ है पीएम मोदी 29 मई के बजाए 28 मई को गुजरात आएंगे 28 मई को पीएम मोदी गांधीनगर में आयोजित सहकार महा सम्मेलन को संबोधित करेंगे और उसके बाद राजकोट में पाटीदाल ग्लॉबल अस्पताल का लोकार्पण करेंगे पाटीदार समाज ट्रस्ट की ओर से 40 करोड़ की लागत से 200 बेड वाला मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल के निर्माण कराया गया है इस मौके पर पीएम मोदी 2 लाख से अधिक पाटीदारों को भी संबोधित करेंगे पाटीदार ग्लॉबल अस्पताल के लोकार्पण के लिए पीएम मोदी को आमंत्रित किया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से लोकार्पण कार्यक्रम का ब्यौरा भी मांगा गया है। गौरतलब है कि सौराष्ट्र में पाटीदार फेक्टर काफी महत्व पूर्ण है और उन्हें अपने पाले में करने की हर राजनीतिक दल कोशिश कर रहा है ऐसा लगता है कि पीएम मोदी ने पाटीदारों को रिझाने की जिम्मेदारी ली है। शायद इसीलिए पिछले काफी समय से एक के बाद एक पाटीदार समाज के कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे हैं कुछ दिन पहले सूरत के सरथाणा में आयोजित ग्लॉबल पाटीदार बिजनेस समिट 2022 का पीएम मोदी ने वर्च्युअली उदघाटन किया था। गत 15 अप्रैल को कच्छ में 150 करोड़ रुपए के खर्च से निर्मित केके पटेल सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्च्युअली उदघाटन किया था। पाटीदारों के जूनागढ़ गढीला माताजी के कार्यक्रम में भी पीएम मोदी ने वर्च्युअली शिरकत की थी अब राजकोट में पाटीदार समाज की ओर से नवनिर्मित ग्लॉबल पाटीदार स्पेशियालिटी अस्पताल का लोकार्पण करने जा रहे हैं।

गेहूं के निर्यात पर बैन के बाद पंजाब में 31 मई तक खुली रहेंगी अनाज मंडिया

चंडीगढ़ । भारत सरकार द्वारा गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की वजह से गेहूं की कीमतों में गिरावट आने के आसार पैदा हो गए हैं, जिसके चलते पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार की सहमति से अपनी 232 मंडियों को फिर से 31 मई तक खुला रखने के आदेश जारी किया है। यह फैसला उन किसानों को अपनी गेहूं मंडियों में एमएसपी पर बेचने का मौका देगा, जिन्होंने ऊंचे दाम मिलने की उम्मीद में गेहूं का स्टॉक जमा कर लिया है। 232 मंडियों को खुला रखने की घोषणा केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने के हालिया फैसले के प्रभावों की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद की गई है। मंडियों के कामकाज पर टिप्पणी करते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारुचक्क ने कहा राज्य सरकार ने वर्तमान रबी सीजन के दौरान राज्य में 2292 मंडियों का संचालन किया है, लेकिन राज्य के कुछ हिस्सों में गेहूं की आवक में भारी गिरावट के बाद अब तक 2060 मंडियों में हाल के दिनों में सावधानीपूर्वक चरणबद्ध तरीके से बंद किया गया है। उन्होंने कहा वर्तमान में 232 मंडियां चालू हैं, जो राज्य के सभी जिलों को कवर करती हैं।

'अपने पूर्ववर्तियों से अलग हैं पीएम मोदी' जयशंकर बोले- आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बात को लेकर 'बेहद स्पष्ट' हैं कि वह आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे, खास तौर पर सीमा पार आतंकवाद को। उन्होंने कहा कि मोदी के इस दृढ़ संकल्प ने वर्ष 2014से पाकिस्तान के प्रति भारत की नीति को एक नया आकार दिया है। जयशंकर ने 'मोदी20ः ड्रीम्स मीट डिलिवरी' नामक पुस्तक में प्रधानमंत्री मोदी के उन निर्देशों को याद किया जब वह विदेश सचिव नियुक्त होने के बाद 2015 में 'सार्क यात्रा' के लिए जा रहे थे।

विदेश मंत्री ने किताब में लिखा है, 'प्रधानमंत्री ने मुझे बताया कि उन्हें मेरे अनुभव और मेरे निर्णयों पर बहुत भरोसा है, लेकिन जब मैं इस्लामाबाद पहुंचूं तो एक बात मेरे दिमाग में होनी चाहिए। वह अपने पूर्ववर्तियों से अलग हैं और वह न तो आतंकवाद को कभी नजरअंदाज करेंगे तथा न ही कभी बर्दाश्त करेंगे और इस रुख को लेकर कभी संदेह नहीं होना चाहिए।' जयशंकर ने लिखा है कि चीन के साथ सीमा विवाद से निपटने के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अपेक्षित धैर्य दिखाया और इसमें यह संकल्प भी शामिल था कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को एकतरफा बदलने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने पूर्वी लद्दाख में चीन और भारत के बीच गतिरोध का प्रत्यक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा, 'चीन सीमा पर चुनौतीपूर्ण हालात में बलों की तैनाती के वक्त भी नेतृत्व क्षमता और दृढ़शक्ति समान रूप से दिखाई दी। वर्ष 2020 में हमारे सशस्त्र बलों की प्रभावी प्रतिक्रिया अपने आप में एक कहानी है।' विपक्षी दल सरकार पर लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि उसने चीन की घुसपैठ की वास्तविकता के बारे में जानकारी नहीं दी। किताब में इन आरोपों को खारिज किया गया है। जयशंकर ने किताब में लिखा कि विदेश सचिव और इसके बाद विदेश मंत्री के तौर पर वह 2015 में म्यांमा सीमा पर उग्रवादियों के ठिकानों को नष्ट करने, 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक, 2017 में डोकलाम गतिरोध और 2020 से लद्दाख सीमा पर 'कड़ी जवाबी कार्रवाई' से जुड़े रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि इन सभी मौकों पर जमीनी जटिलताओं के बारे में गहरी समझ के साथ निर्णय लेने का तरीका सभी ने देखा। जयशंकर ने लिखा है कि मोदी का रुख सिर्फ क्षणिक प्रतिक्रिया देने का नहीं होता, बल्कि पहली बार सीमा पर प्रभावी ढांचागत निर्माण करने के गंभीर और समग्र प्रयास हुए हैं।

उन्होंने लिखा, '2014 से बजट दोगुने से अधिक किया गया है। वर्ष 2008-14 की तुलना में वर्ष 2014-21 में सड़कें पूरी होने का काम भी लगभग दोगुना हुआ है। इसी अवधि में पुलों को पूरा करने का काम तिगुना हुआ, वहीं सुरंग निर्माण में भी तेजी आई है।' विदेश मंत्री ने मोदी की विदेश नीति के बारे में राय व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री को व्यक्तिगत रूप से काफी सम्मान मिला है। जयशंकर ने कहा,

'उनकी (प्रधानमंत्री) भाषा, रूपक,वेशभूषा, तौर तरीका और आदतें ऐसी छवि पेश करती हैं जिसे पूरी दुनिया सराहती है। मुझे याद है कि कैसे अमेरिका के नेता 2014 की यात्रा के दौरान व्रत रखने की उनकी आदत से मंत्रमुग्ध हुए थे, या फिर यूरोप के लोगों ने कैसे योग करने की उनकी आदत को लेकर दिलचस्पी दिखाई थी।'

जिसके नाम पर चला किसान आंदोलन क्या हुआ कि अलग-थलग हो गए राकेश टिकैत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

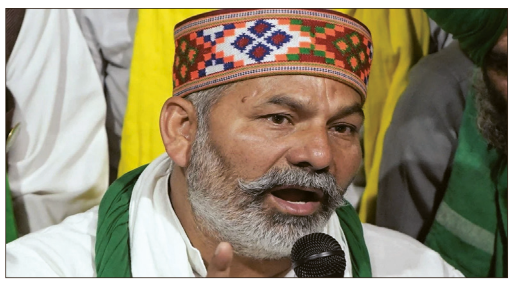

कृषि कानूनों के विरोध में एक साल से ज्यादा चले किसान आंदोलन में अगर कोई चेहरा सबसे ज्यादा पहचाना गया तो वह है राकेश टिकैत का। किसानों की बातों को सरकार और मीडिया के सामने रखने में राकेश टिकैत हमेशा आगे रहते थे। टीवी चैनलों की डिबेट में भी किसानों की तरफ से सबसे बड़े चेहरे के रूप में राकेश टिकैत ही शामिल होते थे। ऐसा लगता था कि अगर राकेश टिकैत न होते तो आंदोलन कब का धराशायी हो गया होगा। कृषि कानूनों की वापसी के साथ ही एक तरह से किसानों की जीत हुई। फिर आखिर क्या हुआ कि राकेश टिकैत 6 महीने के अंदर ही संगठन में अलग-थलग पड़ गए। क्या मोदी सरकार ने किसानों की मांगें मानकर राकेश टिकैत का करियर खत्म कर दिया? ऐसे कई सवाल उठ रहे हैं। वहीं भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने भी टिकैत भाइयों पर राजनीतिक दलों की कठपुतली बनने के आरोप लगाए हैं। चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि के मौके पर संगठन दो फाड़ हो गया। असंतुष्ट गुट ने भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के नाम से नया संगठन बना लिया और भारतीय किसान यूनियन के उपाध्यक्ष रहे राजेश सिंह को इस संगठन का अध्यक्ष बना दिया गया। राकेश टिकैत और नरेश टिकैत इस कार्यक्रम में शामिल तक नहीं हुए। इस नए संगठन के सदस्यों का आरोप है कि राकेश टिकैत अपने लिए राजनीतिक जमीन तैयार कर रहे हैं और किसानों से उनका सरोकार नहीं रह गया है।

संगठन के अंदर हो रही हलचल की जानकारी राकेश टिकैत को थी। वह चौ. महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि पर होने वाले कार्यक्र से पहले ही लखनऊ पहुंच गए थे और असंतुष्ट धड़े के प्रमुख नेता हरिनाम सिंह के घर पर ठहरे थे। उन्होंने नेताओं को मनाने का प्रयास भी किया लेकिन कुछ काम नहीं आया। आंदोलन के दौरान राकेश टिकैत उन राज्यों में भी जाते थे जहां चुनाव थे। वह भाजपा के खिलाफ जमकर जहर उगलते थे। केंद्र की नीतियों को बुरा बताते थे। पश्चिम बंगाल में जब ममता बनर्जी की टीएमसी जीती तो राकेश टिकैत को भी इसका श्रेय दिया जाने लगा। हालांकि उत्तर प्रदेश में तमाम सभाएं करने के बावजूद भाजपा की जीत हुई। अब नाराज खेमे का आरोप है कि वह विपक्षी दलों के साथ राजनीतिक दावं खेल रहे थे। राजेशि सिंह मलिक ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों की मदद के बिना किसानों का भला नहीं हो सकता है।

मुख्तार अब्बास नकवी का कांग्रेस पर निशाना, रस्सी जल गई है लेकिन बल नहीं गया

नई दिल्ली (एजेंसी)

केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने एक बार फिर से कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। दरअसल, मुख्तार अब्बास नकवी कांग्रेस के चिंतन शिविर को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। इसी दौरान नकवी ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस की रस्सी जल गई है लेकिन बल नहीं गया है। अपने बयान में नकवी ने आगे कहा कि कांग्रेस की रस्सी जल गई है लेकिन बल नहीं गया। आज भी वे इसी सनक में है कि 'इंडिया ही इंदिरा है और इंदिरा ही इंडिया है' जब तक वे इस सनक में चकनाचूर रहेंगे तब तक इनकी पार्टी इसी तरह से धाराशाही होती रहेगी।

इससे पहले नकवी ने राहुल गांधी के जम्मू कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी की यात्रा पर भी तंज कसा था। नकवी ने कहा था कि मैं उनको(राहुल गांधी) शुभकामनाएं देता हूं कि वे कश्मीर से कन्याकुमारी यात्रा करें, कहीं वे यात्रा करते-करते कहीं बीच में बॉर्डर से पार न चले जाएं। कांग्रेस के लोगों को उसकी भी चिंता करनी चाहिए। आपको बता दें कि राजस्थान के उदयपुर में 3 दिनों तक कांग्रेस चिंतन शिविर चला। कांग्रेस के चिंतन शिविर में पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इसकी शुरूआत सोनिया गांधी के संबोधन के साथ हुई जबकि समापन 15 मई को हुआ।

भाजपा की 'बुलडोजर राजनीति' पर केजरीवाल ने अपने विधायकों के साथ की बैठक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'बुलडोजर राजनीति' पर सोमवार को सुबह पार्टी के विधायकों के साथ बैठक की। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री आवास पर हो रही बैठक में दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के लगभग सभी विधायक शामिल हुए। शाहीन बाग, मदनपुर खादर, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, मंगोलपुरी, करोल बाग, ख्याला और लोधी कॉलोनी सहित विभिन्न कई हिस्सों में, दिल्ली के तीनों नागरिक निकायों के अधिकारी पिछले कई दिनों से अतिक्रमण रोधी अभियान चला रहे हैं।

भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख आदेश गुप्ता ने स्थानीय महापौर को 20 अप्रैल को पत्र लिख कर 'रोहिंग्या, बांग्लादेशियों और असामाजिक तत्वों' द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने का अनुरोध किया था, जिसके बाद से भाजपा शासित नगर निकायों द्वारा शहर में अलग-अलग इलाकों में अतिक्रमण रोधी अभियान चलाए जा रहे हैं। आप विधायकों की बैठक शनिवार को होने वाली थी, लेकिन मुंडका इलाके में एक इमारत में भीषण आग लगने की घटना के बाद इसे रद्द कर दिया गया था। आग की चपेट में आने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई थी।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर उनसे राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित तीन नगर निकायों द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण रोधी अभियान के कारण शहर में हो रही 'तोड़-फोड़' को रोकने का आग्रह किया था। सिसोदिया ने भाजपा पर उसकी 'बुलडोजर राजनीति' को लेकर निशाना साधा था और दावा किया था कि नगर निकायों ने दिल्ली में 63 लाख मकानों को तोड़ने की योजना बनाई है।

'झूठों के बादशाह' हैं अमित शाह: के टी रामा राव

हैदराबाद (एजेंसी)

तेलंगाना में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं मंत्री के टी रामाराव ने केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह पर राज्य की टीआरएस सरकार पर उनके हमले को लेकर रविवार को पलटवार किया और राज्य सरकार के खिलाफ झूठ फैलाने के लिए अमित शाह को 'झूठों का बादशाह' कहा।

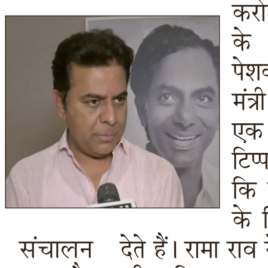

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बेटे एवं 'केटीआर' के नाम से मशहूर रामा राव ने आरोप लगाया कि केंद्र में राजग सरकार का संचालन 'कॉरपोरेट' के हाथों में चला गया है। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष बी. संजय कुमार की दूसरे चरण की पदयात्रा के समापन पर यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने शनिवार को राज्य की टीआरएस सरकार पर कथित भ्रष्टाचार के लिए निशाना साधा था। शाह ने इसके साथ ही टीआरएस सरकार पर अलग तेलंगाना आंदोलन के प्रमुख मुद्दों जल, कोष और नौकरियां को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया था। शाह ने कहा था कि उनकी पार्टी अगले साल राज्य में होने वाले चुनावों का सामना करने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार के खिलाफ शाह के इस आरोप पर कि उन्होंने देश में ऐसी भ्रष्ट सरकार नहीं देखी, रामा राव ने भाजपा शासित कर्नाटक में व्याप्त 'भ्रष्टाचार' का उदाहरण देते हुए शाह पर पलटवार किया। रामा राव ने उल्लेख किया कि कर्नाटक के एक भाजपा विधायक का आरोप है कि उनसे कुछ लोगों ने संपर्क किया था और 2,500 करोड़ रुपये के बदले में राज्य के मुख्यमंत्री के पद की पेशकश की थी। तेलंगाना के मंत्री ने साथ ही कर्नाटक में एक लिंगायत संत की कथित टिप्पणी का भी उल्लेख किया कि मठ स्वीकृत अनुदान लेने के लिए 30 प्रतिशत कमीशन देते हैं। रामा राव ने कर्नाटक में एक ठेकेदार की कथित आत्महत्या का भी जिक्र किया, जिसने एक सार्वजनिक कार्य में 40 प्रतिशत कटौती की मांग को लेकर भाजपा के तत्कालीन मंत्री पर आरोप लगाया था। रामा राव ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अमित शाह को अपना नाम बदलकर 'झूठों का बादशाह' करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शाह का दावा है कि 'मिशन भगीरथ' योजना के लिए 25,000 करोड़ रुपये दिए गए। रामा राव ने कहा कि उनका नाम बदलने की तत्काल आवश्यकता है, वह अमित शाह नहीं बल्कि 'झूठों के बादशाह' हैं। रामा राव ने कहा, 'क्या हमें उन्हें 'झूठों का बादशाह' नहीं कहना चाहिए? नीति आयोग ने यह कहते हुए परियोजना के लिए अनुदान के रूप में 19,000 करोड़ रुपये की सिफारिश की थी कि यह एक अच्छी परियोजना है। क्या आपकी सरकार ने 19 पैसे भी दिए हैं? खुलेआम झूठ बोलने में कोई शर्म नहीं है? लोग आपकी बात पर विश्वास करने के लिए तैयार नहीं हैं...ऐसी 'बेतुकी' बात बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' रामा राव ने कहा कि टीआरएस ने अमित शाह से तेलंगाना के विकास में केंद्र के योगदान पर बोलने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि शाह ने तेलंगाना के लिए उपयोगी कुछ भी कहे बिना निजाम और रजाकारों के बारे में बात की। उन्होंने सवाल किया कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने पिछले आठ वर्षों में तेलंगाना के लिए क्या किया।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने केंद्र को कर के रूप में 3.65 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया, लेकिन बदले में उसे केवल 1.68 लाख करोड़ रुपये मिले। तेलंगाना सरकार द्वारा लिए गए ऋणों पर शाह की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया जताते हुए रामा राव ने भाजपा पर भारत को कर्ज के जाल में धकेलने का आरोप लगाया और कहा कि पिछले आठ वर्षों में राजग सरकार द्वारा 100 लाख करोड़ रुपये का ऋण लिया गया। शाह के इस बयान पर कि अगर टीआरएस सरकार विधानसभा भंग करती है तो भाजपा चुनाव का सामना करने के लिए तैयार है,रामा राव ने कहा कि अगर भाजपा संसद भंग करती है तो टीआरएस भी चुनाव के लिए तैयार है।

2 करोड़ नौकरियां, महंगाई समेत कई मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कर रहे हिंदू-मुस्लिम: महबूबा मुफ्ती का भाजपा पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि उन्होंने वादा किया था कि हम साल में 2 करोड़ नौकरियां देंगे। लेकिन उनके पास इन सवालों का जवाब नहीं है। ऐसे में लोगों का ध्यान भटकाने के लिए हिंदू-मुस्लमान कर रहे हैं। इसके साथ ही महबूबा मुफ्ती ने ज्ञानवापी मस्जिद का भी जिक्र किया। दरअसल, ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वे का काम संपन्न हो चुका है।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उन्होंने जो वादे किए थे कि हम साल में 2 करोड़ नौकरियां देंगे। इन्होंने कहा था कि हम महंगाई को कम करेंगे। हम 15 लाख रुपए गरीबों के खाते में डालेंगे। इन सवालों का इनके पास कोई जवाब नहीं है। इसलिए लोगों का ध्यान हटाने के लिए हिंदू, मुस्लिम कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि मैं बार-बार अपने मुसलमान भाईयों से कहती हूं कि इनको बोलों की एक ही बार मस्जिदों की लिस्ट बताओ, जिस पर आपकी नजर है। मैंने पहले भी कहा था कि हम जहां पर सजदा करेंगे, हमारा अल्ला वहीं हैं। क्या भाजपा वाले हमें इस बात की गारंटी देगी कि जो उसने 2 करोड़ नौकरियां देने की बात कही थी क्या वो देंगे ? कांग्रेस के वक्त में पेट्रोल जो 60 रुपए लीटर था, उसको 60 रुपए पर ले आएंगे। अब यह लोग ज्ञानवापी मस्जिद के पीछे पड़े हैं क्या इसको लेने के बाद सबकुछ ठीक हो जाएगा।

ज्ञानवापी मस्जिद में सर्वे का काम पूरा

गौरतलब है कि वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में कड़ी सुरक्षा के बीच में सर्वे का काम पूरा हो चुका है। इस बीच हिंदू पक्ष के एक वकील ने दावा किया कि सर्वे दल को परिसर में नंदी (भगवान शिव की सवारी) की एक प्रतिमा और एक शिवलिंग मिला है। जिसके बाद वाराणसी कोर्ट ने जिला प्रशासन को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के उस हिस्से को सील करने का निर्देश दिया, जहां पर शिवलिंग मिलने का दावा किया गया।

देश से टल गया कोरोना की चौथी लहर का खतरा ये गिरते आंकड़े दे रहे हैं संकेत

नई दिल्ली । भारत में कोरोनावायरस के ताजा मामलों ने संख्या के लिहाज से कुछ राहत दी है। आंकड़े बताते हैं कि रविवार को खत्म हुए सप्ताह में रोज मिलने वाले मरीजों की संख्या में करीब 16 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। कम होते मामलों के बीच देश में अप्रैल के तीसरे सप्ताह में संक्रमण का ग्राफ तेजी से बढ़ने लगा था। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 2,202 नए मामले सामने आए हैं। 2 मई से 8 मई तक देश में कोविड-19 के करीब 23000 नए मरीज मिले थे। वहीं, 9 मई से 15 मई के बीच यह संख्या घटकर 19 हजार 405 पर आ गए हैं। देश में 17 अप्रैल से संक्रमण के आंकड़े दोबारा बढ़ना शुरू हो गए थे। इसके बाद 28 अप्रैल से लेकर 9 मई के बीच देश में हर रोज 3 हजार से ज्यादा मरीज सामने आए हैं। इस दौरान केवल 3 मई को संक्रमितों की संख्या 2 हजार 568 रही थी। इसके अलावा देश में मौत के आंकड़ों में खासी कमी देखी गई है। 2 मई से 8 मई के बीच जहां देश में 221 मरीजों की मौत हुई। वहीं, 9 से 15 मई के बीच यह संख्या कम होकर 150 पर आ गई थी। नए आंकड़ों को मिलाकर देश में कोरोना वायरस से अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,31,23,801 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 17,317 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण से 27 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,24,241 हो गई है। वहीं, देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 17,317 रह गई है, जो कुल मामलों का 0 .04 प्रतिशत है। दिल्ली-एनसीआर में भारी गिरावट का असर देश के कुल मामलों पर भी पड़ा है। एक ओर जहां दिल्ली में 9 मई को कोविड मरीजों की संख्या 1407 थी। वहीं, 15 मई को यह आंकड़ा गिरकर 673 पर आ गया था। इसके अलावा हरियाणा और उत्तर प्रदेश में एनसीआर के सबसे ज्यादा शहर शामिल हैं। इन जगहों पर भी मामलों में कमी देखी गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक रैली को संबोधित करेंगे.

आदिवासी समुदाय को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जून को चिखली के खुदवेल गांव में

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव जल्द होने की संभावना

है। उस समय भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी राज्य की १८२ में से अधिकतम सीटों पर कब्जा करने की पूरी कोशिश कर रही है और रैली के साथ ही ताकत दिखाने का दौर शुरू हो गया है. हर राजनीतिक दल के नेता गुजरात का दौरा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १२ जून को नवसारी जिले के चिखली तालुका के खुदवेल गांव का दौरा करेंगे. प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारी शुरूहो गई है।

दक्षिण गुजरात के आदिवासी क्षेत्र में आदिवासी समुदाय पर तापी नर्मदा नदी लिंक परियोजना से काफी समय से नाराज है. इस परियोजना का लंबे समय से रैलियों और आवेदन जुलूसों द्वारा विरोध किया गया है। तब कांग्रेस के आदिवासियों के गढ़ में सीटों पर कब्जा जमाने के लिए बीजेपी ने अब मास्टर स्ट्रोक के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इलाके में भेजा है और विपक्ष के खिलाफ आदेश जारी किया है. कांग्रेस विधायक अनंत पटेल वासदा विधानसभा में अपनी लोकप्रियता बरकरार रखने में सफल रहे हैं। जिसके चलते बीजेपी ने इस सीट पर किसी भी कीमत पर कब्जा करने की पुरजोर कोशिश की है. नवसारी के सांसद सीआर पाटिल ने भी राजनीतिक रूप से इस सीट को अपनाया है। दाहोद में राहुल गांधी की हालिया बैठक के सामने अंबाजी से उमरगाम तक रहने वाले आदिवासियों को आरक्षित करने के लिए प्रधानमंत्री अब १२ जून को नवसारी जिले के चिखली तालुका के खुदवेल गांव का दौरा करेंगे.

बीजेपी के जिलाध्यक्ष भूरालाल शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने की पुष्टि की है. पूरे मामले को लेकर बैठक स्थल पर भी काम शुरू कर दिया गया है और जिले के सभी कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री के दौरे की तैयारी शुरू करने की सूचना दे दी गई है.

राज्य सरकार को 1.83 करोड़ की चपत लगाने वाला आरटीओ का हेड कैशियर गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,गुजरात सरकार को 1.83 करोड़ रुपए की चपत लगाने वाले पूर्वी अहमदाबाद के वस्त्राल आरटीओ के हेड कैशियर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब 10 महीनों तक कैशियर सरकारी रुपए अपने जेब में भरता रहा। ऑडिट में इसका खुलासा होने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया और उसे दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के वस्त्राल स्थित आरटीओ का कचहरी के हेड कैशियर एमएन प्रजापति ने 1 अप्रैल 2021 से 5 फरवरी 2022 के दौरान 1.83 करोड़ रुपए की सरकार को चपत लगाई। हांलाकि ऑडिट में इसका खुलासा होने के बाद कई किश्तों में 94 लाख रुपए की हेड कैशियर प्रजापति ने भरपाई कर दी।

शेष 89 लाख रुपए की रकम जमा नहीं किए जाने पर हेड कैशियर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। रिपोर्ट दर्ज होने से पहले ही आरोपी फरार हो गया था। हांलाकि अब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला कि आरोपी प्रजापति एक दिन में 35 से 40 रशीदें काटता था, लेकिन रजिस्टर में केवल 20 रशीदें बताकर अन्य रुपए अपनी जेब में रख लेता। ऑडिट में ऐसी 28 जितनी रिपोर्ट ऐसी आई है, जिसमें आरटीओ टेक्सकी आय रजिस्टर में कम बताकर सरकारी रुपयों की चोरी की गई। यह सिलसिला 10 महीनों तक इसलिए चलता रहा क्योंकि समय पर ऑडिट और जांच नहीं की गई और आरोपी बेखौफ होकर राज्य सरकार को चूना लगाता रहा। आरोपी प्रजापति से अब भी 89 लाख की रिकवरी करना बाकी है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके रिमांड प्राप्त करने की दिशा में कार्यवाही शुरू की है।

बार बार लक्ष्मण रेखा लांघने का मतलब हार्दिक पटेल को काम नहीं करना है : मोढवाडिया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि पार्टी में किसी को रैली करनी है, कोई कार्यक्रम करना है, पत्रकार परिषद करनी है या आगे आकर जिम्मेदारी लेने कोई रोक नहीं रहा। हांलाकि इसके लिए सभी लक्ष्मण रेखा में रहना होगा। किसी के बार बार लक्ष्मण रेखा लांघने मतलब है उसे काम नहीं करना है। अर्जुन मोढवाडिया ने हार्दिक पटेल को लेकर यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हार्दिक पटेल के बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, जिसे उन्हें निभाते हुए लाखों कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को पूरा करना चाहिए। इसके बजाय हार्दिक पटेल बार बार पार्टी या कार्यकर्ताओं को दोषी ठहराते हैं, जो स्वीकार नहीं किया जा सकता। कांग्रेस पार्टी सभी को सुधरने का अवसर देती है और अगर कोई लक्ष्मण रेखा लांघने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही भी करती है। कांग्रेस काम करने या नेतृत्व करने से किसी को नहीं रोकती। अगर किसी को पार्टी छोड़नी है तो उसका फैसला भी उसी करना चाहिए। पद मिलने के बाद किसी का बार बार सम्मान मिले यह जरूरी नहीं है। बता दें कि गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पिछले काफी समय से पार्टी से नाराज चल रहे हैं और मीडिया के समक्ष इसका इजहार भी कर चुके हैं। बीते दिन दिन गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा ने हार्दिक पटेल को पार्टी के अनुशासन में रहने की सलाह देती थी।

पलसाना के गंगवार में आरोपित ने हवा में की फायरिंग, लकड़ी के डंडे से 3 को मारा और घायल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के पलसाना में अपने दोस्त की बेटी की बर्थडे पार्टी में दूसरे दोस्त को छोड़ने गए युवक की सोसायटी में बैठे एक अन्य युवक से कहा-सुनी हो गई. समूह ने 8 अन्य दोस्तों को बुलाया और उनमें से ३ को घायल कर दिया। घटना में लोगों का एक समूह अपने कब्जे में पिस्टल लेकर हवा में राउंड फायरिंग कर देर रात उठा। लोगों की नींद खुली तो उपद्रवी भाग निकले। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। पलसाना पुलिस मौके पर पहुंची और 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की।

पलसाना के कालाघोड़ा स्थित सचितानंद मिल में ढोल विभाग में पिछले 7 साल से काम कर रहे सोनू रामावध शर्मा रविवार देर रात अपने दोस्त तैकिर इसरार खान के साथ दोस्त राजू वर्मा की बेटी की बर्थडे पार्टी में शामिल होने गए थे.

जीजे-19-बीएफ-3637, मालास्के अपने दोस्त तौकीर खान को सोने की मोटरसाइकिल पर छोड़ने के लिए दोपहर करीब 2 बजे परवेज पार्क में नागराज भाई की इमारत में अपने घर पर गया था, इस बीच परवेज पार्क के पलसाना में रह रहा था और उसका पुराना दोस्त अब्दुल आशीर छोटेलाल अंसारी करण वैद्य प्रकाश उपाध्याय दोनों को जगह देने के बाद पार्क में एक दूसरे को धमकाते हुए कहने लगे, "कहां हो लॉग भाई ?" लोग लकड़ी के वार के साथ झूठ बोलते हैं

इसी बीच सोनू का दोस्त तौसीफ खान पठान वहां आया और उनसे झगड़ा न करने की बात कही। अब्दुल अंसारी ने किसी को बुलाया और 8 लोग लकड़ी के डंडे लेकर 4 मोटरसाइकिल पर आए। भीड़ में श्रवण उर्फ वी (अंत्रोली भूरी फलियू) के किशनभाई वासफोडिया थे जिन्होंने हवा में एक राउंड फायर किया। मोटरसाइकिल पर लकड़ी से वार करने वाले सभी लोग तौकीर खान पर गिर पड़े। सिर और कमर पर भी गंभीर चोटें आई हैं। लड़ाई की आवाज सुनकर उसका करीबी शिवमसिंह भी वहां दौड़ पड़ा। जिसे इन भीड़ ने पीटा भी था। खून से लथपथ तौकीर खान को 108 के जरिए सूरत समीर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पलसाना पुलिस को घटना की सूचना के बाद पलसाना पुलिस ने सोनू शर्मा के खिलाफ 11 आईएसएमओ के खिलाफ शिकायत दर्ज कर शस्त्र अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है.